आम आदमी पार्टी ने आतिशी को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के तौर पर चुना है। इसके बाद अरविंद केजरीवाल अपने मंत्रियों के साथ उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलने पहुंचे। जहां उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:277 दिनांक:18-09-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

लेबनान की राजधानी में हिजबुल्ला के सदस्यों के हजारों पेजर में विस्फोट हुआ है। इस धमाके में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2700 से ज्यादा हिजबुल्ला के सदस्य इस धमाके में घायल हुए हैं।

केजरीवाल का सीएम पद से इस्तीफा , सरकार बनाने का दावा पेश किया

आतिशी संभालेंगी दिल्ली की कमान

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग गई है। आम आदमी पार्टी ने आतिशी को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के तौर पर चुना है। इसके बाद अरविंद केजरीवाल अपने मंत्रियों के साथ उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलने पहुंचे। जहां उन्होंने इस्तीफा दे दिया। साथ ही आतिशी ने भी सरकार बनाने का दावा पेश किया।

आतिशी को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जा रहा है। आम आदमी पार्टी विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर मुहर लग गई है। आम आदमी पार्टी की तरफ से इसका ऐलान भी कर दिया गया है। इसके साथ ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इस्तीफे के साथ ही एलजी को विधायक दल के नेता के नाम की चिट्ठी भी आतिशी ने एलजी को सौंप दी है। बता दें कि केजरीवाल ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह 2 दिन बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जनता की अदालत में जाएंगे। केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी ने कहा, भाजपा ने हमारे सीएम पर फर्जी आरोप लगाया। आतिशी ने केजरीवाल के फैसले को दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे बड़ा फैसला बताया। भाजपा पर निशाना साधते हुए आतिशी बोलीं, उन्होंने सारी एजेंसियां अरविंद जी के पीछे लगा दीं। 6 महीने तक वो जेल में थे। अरविंद जी की जगह कोई और होता तो तुरंत सीएम की कुर्सी पर बैठ जाता है। दिल्ली के लोग बहुत दुखी हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने ये भी प्रण लिया है कि केजरीवाल जी को फिर से सीएम बनाना है।

दिल्ली में राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदलते हुए आतिशी को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। आम आदमी पार्टी की विधायक दल की बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से आतिशी के नाम पर मुहर लगाई। इस महत्वपूर्ण बदलाव के बाद, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज शाम को औपचारिक रूप से अपने पद से इस्तीफा देंगे। इस फैसले से दिल्ली की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां आतिशी , जो केजरीवाल के करीबी और पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, अब दिल्ली के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बता दे की अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को जमानत मिल गई थी। उसी दिन ही वह जेल से बाहर आ गए। उसके बाद केजरीवाल ने रविवार को आम आदमी पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा दूंगा। मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा जब तक जनता अपना फैसला ना सुना दे। आप अपना फैसला सुनाओगे तब मैं जाकर उस कुर्सी पर बैठूंगा। आपको लग रहा होगा कि अब में ऐसा क्यों बोल रहा हूं, इन्होंने मुझपर आरोप लगाया है कि केजरीवाल चोर है, भ्रष्टाचारी है, इस काम के लिए नहीं आया था मैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 24 सीटों पर आज मतदान

फर्स्ट फेज में महबूबा की बेटी इल्तिजा समेत 219 कैंडिडेट्स, 110 करोड़पति, 36 पर क्रिमिनल केस

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में बुधवार को 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। जिसमें 23.27 लाख वोटर्स शामिल होंगे। फर्स्ट फेज की 24 में से 8 सीटें जम्मू डिवीजन और 16 सीटें कश्मीर घाटी में है। सबसे ज्यादा 7 सीटें अनंतनाग और सबसे कम 2-2 सीटें शोपियां और रामबन जिले की हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले फेज में 219 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 9 महिलाएं और 92 निर्दलीय उम्मीदवार हैं।110 कैंडिडेट्स करोड़पति हैं जबकि 36 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इस फेज में मुफ्ती परिवार का गढ़ रही बिजबेहरा सीट भी है। यहां पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। महबूबा और उनके पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद सीएम रह चुके हैं। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

अनंतनाग की सबसे ज्यादा 7 सीटों पर वोटिंग

पहले फेज में अनंतनाग की 7, पुलवामा की 4, कुलगाम, किश्तवाड़ और डोडा की 3-3, शोपियां और रामबन की 2-2 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। डोडा, रामबान और किश्तवाड़ जिले जम्मू डिवीजन जबकि अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां कश्मीर डिवीजन में आते हैं। पुलवामा की पंपोर सीट पर सबसे ज्यादा 14 कैंडिडेट हैं। वहीं अनंतनाग की बिजबेहरा सीट पर केवल 3 उम्मीदवारों के बीच में चुनावी लड़ाई है।

आबकारी घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल की दो याचिका ख़ारिज

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की एक अदालत ने आप नेता अरविंद केजरीवाल की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें कथित आबकारी घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर शिकायतों पर उन्हें जारी समन को चुनौती दी गई थी।

विशेष न्यायाधीश राकेश स्याल ने केजरीवाल की पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त आधार हैं। केजरीवाल ने ईडी की शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ सत्र न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया था।

दिल्ली के निवर्तमान मुख्यमंत्री ने उन्हें जारी किए गए समन से बचने के लिए ईडी द्वारा दायर दो शिकायतों का संज्ञान लेने के बाद मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी। ईडी ने अब समाप्त हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामले में केजरीवाल को जारी किए गए कई समन को छोड़ने के लिए मजिस्ट्रेट अदा लत के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी।

लेबनान में हिज्बुल्ला के पेजरों में विस्फोट, ईरान के राजदूत भी घायल

बैरूत (ईएमएस)। लेबनान की राजधानी बैरूत में हिज्बुल्ला के हजारों पेजरों में विस्फोट से हिज्बुल्ला के कई सदस्य घायल हो गए। ईरान की न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस घटना में लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल हुए हैं। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, जिन पेजरों में विस्फोट हुआ है, वे लेटेस्ट मॉडल थे, उन्हें हिज्बुल्ला की ओर से लाया गया था। इन धमाकों के बाद बेरूत के दक्षिणी इलाकों में मौजूद तमाम अस्पतालों में अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। एक सूत्र के अनुसार बेरूत के दक्षिण लेबनान और पूर्वी बेका घाटी में हिजबुल्ला के गढ़ में सैकड़ों हिजबुल्ला सदस्य अपने पेजर में विस्फोट के कारण घायल हुए हैं।

बता दें कि कुछ महीने पहले ही हिजबुल्ला के नेता हसन नसरुल्ला ने अपने लड़ाकों से स्मार्टफोन इस्तेमाल न करने की अपील की थी, क्योंकि इस्त्राइल के पास स्मार्टफोन को हैक या उसमें से जानकारी निकालने की तकनीक है। इस वजह से ही हिजबुल्ला ने अपने संचार माध्यम को बेहतर बनाने के लिए स्मार्टफोन की जगह पेजर का सहारा लिया था।

मामले में एक राजनीतिक विश्लेषक एलिजा मैग्नियर ने कहा कि हिजबुल्ला इस्त्राइल को अपने संचार व्यवस्था को बाधित करने से रोकने के लिए पेजर पर बहुत अधिक निर्भर है और उन्होंने ये भी अनुमान लगाया कि हिजबुल्ला सदस्यों को दिए जाने से पहले पेजर के साथ छेड़छाड़ की गई होगी। एलिजा मैग्नियर ने बताया कि ये कोई नई तकनीक नहीं है। इसका इस्तेमाल पहले भी किया जा चुका है।

फिलहाल इस हमले के बारे में इस्त्राइली सेना ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार किया है। बता दें कि हमास ने पिछले साल अक्टूबर में इस्त्राइल पर हमला किया था, जिसके बाद गाजा युद्ध शुरू हो गया था। इसके बाद से ही हिजबुल्ला ने सहयोगी हमास के समर्थन में इस्त्राइल के खिलाफ हमले किए हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनावों : कांग्रेस बुधवार को अपना मेनिफेस्टो जारी करेगी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी बुधवार को अपना मेनिफेस्टो जारी करेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस के घोषणा पत्र को जारी करेंगे। हरियाणा राज्य विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस पार्टी 89 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने एक सीट इंडिया गठबंधन के तहत सीपीआईएम के लिए छोड़ी है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को गारंटी पत्र नाम दिया है। 2019 में विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने निर्दलियों और जेजेपी के बूते राज्य की सत्ता पर कब्जा बरकरार रखा था। कांग्रेस का गारंटी पत्र आने के बाद राष्ट्रीय नेता हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए उतर सकते हैं। राहुल गांधी द्वारा हरियाणा में कई रैली और रोड शो किए जाने की उम्मीद है।

कांग्रेस पार्टी अपने संकल्प पत्र में किसानों की कर्ज माफी के साथ, अग्निवीर योजना को लेकर बड़े वादे कर सकती है। इसके साथ जिस तरह से राज्य में कांग्रेस बेरोजगारी के मुद्दे को उठा रही है। उसको देखते हुए कांग्रेस अस्थायी कर्मचारियों को पक्का करने और नई भर्ती का ऐलान कर सकती है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव कब लागू होगा........शाह ने बता दिया समय

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल में ही एक राष्ट्र, एक चुनाव को लागू करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के मौके पर शाह ने कहा कि हमारी योजना इस सरकार के कार्यकाल के दौरान ही एक राष्ट्र, एक चुनाव की व्यवस्था लागू करने की है।

इस मौके पर शाह के साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की जोरदार वकालत कर कहा था कि बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था, देश को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए आगे आना होगा। एक राष्ट्र, एक चुनाव बीजेपी द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में किए गए प्रमुख वादों में से एक है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने इस साल मार्च में पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की भी सिफारिश की।

इसके अलावा, विधि आयोग द्वारा सरकार के सभी तीन स्तरों लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों जैसे नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की संभावना है। वह त्रिशंकु सदन या अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में एकता सरकार का प्रावधान करने की सिफारिश भी कर सकता है।

केजरीवाल का इस्तीफा..... मायावती ने चुनावी चाल और राजनीतिक पैंतरेबाजी बताया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आम आदमी पार्टी संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के फैसले को लेकर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती का गुस्सा फूटा है।

बसपा प्रमुख ने केजरीवाल के फैसले को चुनावी चाल और राजनीतिक पैंतरेबाजी बताया है। मायावती ने पूछा कि दिल्ली की जनता ने जो अनगिनत असुविधाएं व समस्याएं झेलीं हैं, उसका हिसाब कौन देगा।

बसपा प्रमुख मायावती ने पोस्ट में लिखा, केजरीवाल द्वारा दिल्ली के सीएम पद से अब इस्तीफा देना वास्तव में जनहित/जनकल्याण से दूर इनकी चुनावी चाल व राजनीतिक पैंतरेबाजी, किन्तु उनके लंबे समय तक जेल में रहने के कारण दिल्ली की जनता ने जो अनगिनत असुविधाएं व समस्याएं झेलीं हैं उसका क्या?

उसका हिसाब कौन देगा? मायावती ने कहा, सत्ता व विपक्ष के बीच राजनीतिक लड़ाई शत्रुता स्तर तक कटू नहीं हो तो बेहतर ताकि उससे देश व जनहित प्रभावित ना हो।

बीएसपी की यूपी सरकार को भी इसतरह के दिन देखने पड़े जब केन्द्र की कांग्रेसी सरकार ने जेवर एयरपोर्ट व गंगा एक्सप्रेस-वे पर भी रोड़े अटकाए और जनहित व विकास को बाधित किया।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, कहा हमारी इजाजत बिना तोडफ़ोड़ न हो

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 1 अक्टूबर तक बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि अगली सुनवाई तक देश में एक भी बुलडोजर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि हम स्पष्ट कर दें कि इस ऑर्डर में सडक़ों, फुटपाथों, रेलवे लाइंस के अवैध अतिक्रमण नहीं शामिल हैं। केंद्र ने इस ऑर्डर पर सवाल उठाया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के हाथ इस तरह नहीं बांधे जा सकते हैं। इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- अगर कार्रवाई दो हफ्ते रोक दी तो आसमान नहीं फट पड़ेगा। आप इसे रोक दीजिए, 15 दिन में क्या होगा?

दरअसल, बुलडोजर एक्शन के खिलाफ जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने 22 अगस्तकोसुप्रीमकोर्ट मेंयाचिका दाखिल की थी। इसमें यूपी के मुरादाबाद, बरेली और प्रयागराज में हुए बुलडोजर एक्शन का भी जिक्र किया गया था। 2 सितंबर की सुनवाई में कोर्टनेपूछा था कि सिर्फ आरोपी होने पर किसी का घर कैसे गिराया जा सकता है। कोर्ट ने कहा था कि गाइडलाइन बनाई जाए, जो पूरे देश में लागू हो। इसके लिए कोर्ट ने सभी पक्षों से सुझाव भी मांगे थे।

अतिक्रमण को संरक्षण नहीं

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि भले ही कोई दोषी क्यों न हो, फिर भी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता। हालांकि बेंच ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह सार्वजनिक सडक़ों पर किसी भी तरह अतिक्रमण को संरक्षण नहीं देगा। लेकिन, इस मामले से जुड़ी पार्टियां सुझाव दें। हम पूरे देश के लिए गाइडलाइन जारी कर सकते हैं। कोर्ट ने टिप्पणी की थी- किसी का बेटा आरोपी हो सकता है, लेकिन इस आधार पर पिता का घर गिरा देना। यह कार्रवाई का सही तरीका नहीं है।

बुलडोजर एक्शन कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा

सुप्रीम कोर्ट ने 12 सितंबर को भी कहा था कि बुलडोजर एक्शन देश के कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा है।मामला जस्टिस ऋषिकेश रॉय, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच में था। सितंबर में यह दूसरा मौका है, जब स्ट ने बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी जाहिर की है। दरअसल, गुजरात में नगरपालिका की तरफ से एक परिवार को बुलडोजर एक्शन की धमकी दी गई थी। याचिका लगाने वाला खेड़ा जिले के कठलाल में एक जमीन का सह-मालिक है। उनके खिलाफ 1 सितंबर 2024 को एक मामले में स्नढ्ढक्र दर्ज की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा था- आरोपी के खिलाफ अपराध को कानूनी प्रक्रिया के जरिए कोर्ट में साबित किया जाना चाहिए। जिस देश में कानून सर्वोच्च है, वहां ऐसी धमकियों को कोर्ट नजरअंदाज नहीं कर सकता। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नगरपालिका अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। साथ ही यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने गुजरात सरकार और नगर निगम से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

बिहार में चलती कार में नाबालिग लड़की से गैंगरेप

सहरसा (ईएमएस)। बिहार के सहरसा में चलती कार में नाबालिग लड़की से गैंगरेप किया गया। घटना 14 सितंबर शाम की बताई जा रही है। दो युवकों ने 14 वर्षीय लड़की के साथ चलती कार में रेप किया। पीड़ित लड़की ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ 16 सितंबर को सदर थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने लड़की की शिकायत पर एफआइआर भी दर्ज कर ली है।

मामला सदर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस लड़की को मेडिकल के लिए सदर अस्पताल भेजकर तफ्तीश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार पीड़ित लड़की सदर थाना क्षेत्र की ही रहने वाली है। उसकी उम्र तकरीबन 14 वर्ष बतायी जा रही है।

घटनाको लेकर पीड़ित लड़की की चाची ने बतायाकि पीड़िता4 बजे घर से बकरीचराने निकली थी। जब बकरी चराकर5बजे शाम में वापस लौट रही थी। उसी दौरान तीन लड़के उसे गाड़ी में बैठाकर ले गए। लड़कों ने कहा कि जल्दीबैठो गाड़ी में, नहीं तो गोली मार देंगे।उसकेबाद डर से वह गाड़ी में बैठ गयी।

अंदर बैठने के बाद दोनों लड़के गाड़ी का शीशा लॉक कर तेज आवाज में अंदर गाना बजाने लगा, ताकि आवाज बाहर नहीं आ पाए। उनलोगों ने उसके साथ मारपीट भी की और दांत भी काटा। जब लड़की घर वापस आई तो कुछ नहीं बताई। वह डर गई थी। 15 सितंबर की शाम में जब लड़की से पूछा गया तब सारी बात बतायी कि मेरे साथ दो लड़कों ने गलत काम किया है। एक अभियुक्त की गिरफ्तारी इसमें की गई है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी तथा वाहन की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है। पीड़िता और आरोपी एक ही मोहल्ले के हैं। इनमें पीड़िता को बहला फुसलाकर गलत काम किए जाने की बात सामने आई है।

बाढ़ पीड़ितों की धुकधुकी बढ़ा रहा गंगा-यमुना का विकराल रूप, बिहार में टूटा बांध; कई गांवों में घुसा पानी

नई दिल्ली। लगातार वर्षा से बिहार में गंगा, सोन, पुनपुन व फल्गू समेत पहाड़ी नदियां उफनाने लगी हैं। सारण में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से दो सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। इससे दियारा क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। कई सड़कों पर बाढ़ का पानी चढ़ गया है।

बिहार में गंगा सोन पुनपुन व फल्गू समेत पहाड़ी नदियां उफनाने लगी हैं। सारण में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से दो सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। इससे दियारा क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। बक्सर में गंगा खतरे के निशान से चार सेमी नीचे है। यहां एक दर्जन से अधिक गांव पानी से घिर गए हैं।

बक्सर में गंगा खतरे के निशान से चार सेमी नीचे है। यहां एक दर्जन से अधिक गांव पानी से घिर गए हैं। चौसा के दो वार्डों के 50 से अधिक घरों में पानी प्रवेश कर गया है। बाढ़ का पानी श्रीकाशी विश्वनाथ धाम परिसर तक पहुंचा, सारण में एक दर्जन से अधिक गांवों में घुसा बाढ़ का पानी ,नालंदा में लोकाईन नदी में बाढ़ आने से 15 फीट बांध टूटा ,सारण-भोजपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा वहीं चौसा-डिहरी मुख्य मार्ग पानी में डूब जाने से आवागमन ठप हो गया है। भोजपुर जिले में गंगा खतरे के निशान से 39 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका, नहीं मिल पाया स्टे

मथुरा (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका पर स्टे नहीं दिया। मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- मुस्लिम पक्ष गलत तरीके से सुप्रीम कोर्ट गया। हमारी तरफ से ऑब्जेक्शन दाखिल किया गया था। पहले इनको (मुस्लिम पक्ष) हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल करनी चाहिए थी।

सुप्रीम कोर्ट में 4 नवंबर को मामले में सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा- इस दौरान मुस्लिम पक्ष चाहे तो हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल कर सकता है। दरअसल, 1 अगस्त को हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़ी हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था। कोर्ट का कहना था कि सभी याचिकाएं एक नेचर की हैं। एक साथ सुनी जाएंगी। हालांकि, मुस्लिम पक्ष का तर्क था कि हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनने योग्य नहीं है। ऐसे में मुस्लिम पक्ष ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद 6 अगस्त को हिंदू पक्ष ने कैविएट दाखिल की थी। कहा था कि हमें सुने बिना मुस्लिम पक्ष की अर्जी पर एकतरफा आदेश न दें। आज याचिका पर पहली बार सुनवाई हुई।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 5 मौत

फिरोजाबाद(ईएमएस)। फिरोजाबाद में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। सोमवार देर रात हुए धमाके से आसपास के 6 मकान ढह गए। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मलबे से 11 लोगों को बाहर निकाला गया। 15 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम स्निफर डॉग की मदद से मलबे में तलाश कर रही है कि कहीं कोई और तो नहीं दबा है। सीएम योगी ने मृतकों को परिजनों को 4-4 मुआवजा देने का ऐलान किया है। हादसा रात 10.10 बजे नौशेरा गांव में हुआ। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आबादी के बीच फैक्ट्री चल रही थी, लेकिन आसपास के लोगों को इसका पता नहीं था।

चंद्रग्रहण और सुपरमून की अद्भुत संयोग का अद्वितीय अवसर

वॉशिंगटन (ईएमएस)। चंद्रग्रहण, जो अंतरिक्ष विज्ञानियों और खगोलप्रेमियों के लिए एक रोमांचक घटना है, 18 सितंबर को साल का दूसरा और आखिरी चंद्रग्रहण लेकर आ रहा है। इस बार घटना खास है क्योंकि इसमें एक दुर्लभ खगोलीय संयोग भी दिखेगा-सुपरमून और चंद्रग्रहण दोनों एक साथ हो रहे है। चंद्रग्रहण तब होता है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में आ जाते हैं, जिससे पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है और एक शानदार दृश्य उत्पन्न होता है।

चंद्रग्रहण तीन प्रकार का होता है, उपछाया चंद्रग्रहण, आंशिक चंद्रग्रहण, और पूर्ण चंद्रग्रहण। 18 को होने वाला चंद्रग्रहण आंशिक और उपछाया दोनों ही प्रकार का होगा। इस दिन, चंद्रग्रहण का चरम समय भारतीय समयानुसार सुबह 8 बजकर 14 मिनट पर होगा। चंद्रग्रहण सुबह 6:11 बजे से शुरू होगा और 10:17 बजे तक चलेगा, जो कुल मिलाकर 4 घंटे 6 मिनट तक चलेगा। उपछाया चंद्रग्रहण की शुरुआत सुबह 6:11 बजे होगी, इसके बाद आंशिक चंद्रग्रहण 7:42 बजे से शुरू होगा। आंशिक ग्रहण सुबह 8:45 बजे समाप्त होगा, और उपछाया चंद्रग्रहण 10:17 बजे खत्म होगा।

हालांकि, भारत में चंद्रग्रहण का यह दृश्य देखना संभव नहीं होगा क्योंकि यह सुबह के समय होगा जब चंद्रमा क्षितिज के नीचे होगा। लेकिन, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका के कुछ हिस्से, पश्चिमी एशिया, रूस और अंटार्कटिका में इसे देखा जा सकेगा। इसके अलावा, इस समय एक और खगोलीय घटना हो रही इसे हार्वेस्ट मून के नाम से जाना जाता है और यह उत्तरी गोलार्द्ध में गर्मियों की आखिरी पूर्णिमा मानी जाती है।

ममता का इस्तीफा ,सीजेआई ने कहा ये न्यायलय के अधिकार क्षेत्र में नहीं

वकील को फटकार कर कहा, तुम्हें इस अदालत से हटा दूंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरजी कर मामले पर एक ओर पूरे देश में बवाल है। वहीं, कोलकाता सहित देश के तमाम शहरों में जूनियर डॉक्टर्स मामले पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच आरजी कर मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करने वाले आवेदन पर नाराजगी जाहिर की।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ममता के इस्तीफे की मांग को लेकर दायर याचिका पर नाराजगी जाहिर की। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने वकील से कहा, यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है। मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए कहना अदालत का अधिकार क्षेत्र नहीं है। जब वकील ने दलीलें देना जारी रखा, तब सीजेआई ने उन्हें चेतावनी देकर कहा कि मैं तुम्हें इस अदालत से हटा दूंगा।

सीजेआई ने वकील को फटकार लगाकर कहा, यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है, आप बार के सदस्य हैं, हम जो कहते हैं, उसके लिए हमें आपकी पुष्टि की आवश्यकता नहीं है। आप जो कहते हैं, उसके लिए कानूनी अनुशासन के नियमों का पालन करना होगा। यदि आप मुझसे यह निर्देश देने के लिए कहते हैं कि मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए, तब यह न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का हिस्सा नहीं है। सीजेआई ने दो टूक वकील से कहा, देखिए मुझे खेद है, आप कृपया मेरी बात सुनें, अन्यथा मैं आपको कोर्ट से बाहर निकाल दूंगा।

इस मामले में अदालत को जूनियर डॉक्टरों ने सूचित किया कि उन्हें अपने काम को फिर से शुरू करने में कोई कठिनाई नहीं है, बशर्ते विश्वास बहाली के उपाय किए जाएं, जैसा कि उनके और मुख्यमंत्री के बीच 16 सितंबर को सहमति बनी थी। डॉक्टरों ने कहा कि काम पर लौटने पर चर्चा के लिए मंगलवार को उनकी बैठक होगी। सुप्रीम कोर्ट के सामने ममता सरकार की ओर से कहा गया कि सीएम ने आश्वासन दिया है कि काम पर लौटने वाले डॉक्टरों के खिलाफ उस अवधि के लिए कोई दंडात्मक या प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी, जिस दौरान वे आंदोलन कर रहे थे।

गाजियाबाद में गडकरी बोले अब सस्पेंड करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

गाजियाबाद (ईएमएस)। अच्छा काम करेंगे तो हम अवॉर्ड देंगे। अच्छा काम नहीं करेंगे तो एनएचआई से तुम्हारी छुट्टी करेंगे। अब रोड का रिकॉर्ड बहुत हो गया। हम विश्व का सबसे बड़ा रोड नेटवर्क बन गए हैं। अब हमें लोगों को रिटायर और सस्पेंड करने का रिकॉर्ड बनाना है। कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैक लिस्टेड कर बैंक गारंटी जब्त करेंगे। ऐसा हाल करेंगे कि कहीं कॉन्ट्रैक्ट नहीं ले पाओगे। मेरी बात गंभीरता से लो। मैंने राज्यमंत्री को कहा है कि अब रोड पर घूमो।

यह बात केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को गाजियाबाद में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के मेंटेनेंस पर नाराजगी जताते हुए कही। उन्होंने मेरठ-गाजियाबाद रोड पर दुहाई में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के पास एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान कहा- मैं जिस गाड़ी से चलता हूं, वह पराली से बने ईंधन से चलती है। जल्द ही हवाई जहाज भी पराली ईंधन से उड़ेंगे।

केरल में निपाह वायरस से बिगड़े हालात- न दुकानें खुलेंगी न शादी में ज्यादा मेहमान आ पाएंगे

मलप्पुरम(ईएमएस)। केरल के मलप्पुरम में कोरोना जैसे हालात हो गए हैं। यहां बढ़ते खतरे के चलते न तो ज्यादा संख्या में मेहमानों को बुलाया जा सकता है और न ही अपनी मर्जी से दुकानें और बाजार खोले जा सकेंगे। बता दें कि निपाह वायरस से 24 वर्षीय युवक की मौत के बाद सरकार एक्शन में आ गई है। केरल सरकार ने मलप्पुरम में कई कंटेनमेंट जोन बनाए हैं और उनमें प्रतिबंध लगा दिए हैं। मलप्पुरम जिले की दो पंचायतों के पांच वार्डों को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है और बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र न होने के निर्देश दिए गए हैं।

निपाह वायरस को तेजी से बढ़ता देख जिला अधिकारियों ने कंटेनमेंट जोन में दुकानें शाम 7 बजे तक बंद करने को कहा है। कंटेनमेंट जोन में सिनेमा हॉल, स्कूल, कॉलेज, मदरसे, आंगनवाड़ी और ट्यूशन सेंटर बंद रहेंगे। इस बीच, मलप्पुरम जिले में आंशिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने को कहा है। जिले में शादियों, अंतिम संस्कारों और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की संख्या कम करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने पुष्टि की है कि 9 सितंबर को मरने वाला 24 वर्षीय व्यक्ति निपाह वायरस से संक्रमित था। जॉर्ज ने सोमवार को कहा कि मृतक मरीज की संपर्क सूची में फिलहाल 175 लोग हैं, जिनमें से 74 स्वास्थ्यकर्मी हैं। सभी को आइसोलेशन में रखा गया है।स्वास्थ्य विभाग ने 66 टीमें बनाई हैं और मृतक के घर के तीन किलोमीटर के दायरे में बुखार का सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है। निपाह संक्रमण के इलाज के लिए मलप्पुरम के एक लड़के की 21 जुलाई को मौत हो गई। यह इस साल राज्य में निपाह संक्रमण का पहला पुष्ट मामला था। कोझीकोड जिले में 2018, 2021 और 2023 में तथा एर्नाकुलम जिले में 2019 में निपाह का प्रकोप देखा गया है।

जन हितैषी

जुर्माना से निपटेंगे फेमा

आरबीआई (भारतीय रिज़र्व बैंक) द्वारा विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम फेमा उल्लंघन के निपटारे में जुर्माना देकर लंबित मामलों को निपटारा करने का संशोधन सरकार द्वारा किया गया है। फेमा उल्लंघन के मामलों को आसानी से सुलझाने और लंबी कानूनी प्रक्रिया से बचाने के लिए आरबीआई ने कुछ दिशा निर्देश जारी किए हैं। पहले 10 लाख रुपये तक के जुर्माने वाले मामलों को सहायक महालेखाकार स्तर पर निपटाने का प्रावधान था, अब यह सीमा बढ़ाकर 40 लाख रुपये कर दी गई है। महालेखाकार स्तर पर यह सीमा 40 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 करोड़ रुपये कर दी गई है। मुख्य महालेखाकार स्तर पर यह सीमा 5 करोड़ तक बढ़ा दी गई है। अगर कोई कंपनी या व्यक्ति फेमा उल्लंघन के दायरे में आता है। यह उल्लंघन नई सीमा के भीतर है, तो वह जुर्माना देकर मामला समाप्त कर सकता है। इस प्रक्रिया के तहत जुर्माना के बाद किसी प्रकार की अन्य कार्रवाई अब नहीं की जाएगी। सरकार ने आरबीआई के पास यह अधिकार सुरक्षित रखा है, कि वह आवेदन को स्वीकार करे, या नहीं। फेमा उल्लंघन के 77 फीसदी मामले ईडी से जुड़े होते हैं, वहीं 15 फीसदी मामले ऑडिट की जांच में सामने आते हैं। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ने फेमा के मामले में जो ताजा संशोधन किए हैं। यह पुराने मामलों के ऊपर लागू होगा, कि नहीं, इसके बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं है। जो संशोधन फेमा में किया गया है। उसमें रिजर्व बैंक को अधिकृत किया गया है, वह किसी भी मामले को जुर्माना के लिए स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है। यह प्रावधान होने से सरकार जिसे चाहेगी, वही जुर्माना देखकर छूट पाएगा। अन्यथा उसके ऊपर फेमा का अपराधिक केस भी चलाया जाएगा। यह अधिकार अभी भी रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार के पास बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में ईडी की जो कार्य प्रणाली रही है। उसमें बड़े पैमाने पर रिश्वतखोरी के आरोप ईडी के अधिकारियों पर लगते रहे हैं। इसके साथ ही ईडी के मामलों में नोटिस देकर दबाव बनाकर राजनीतिक और आर्थिक लाभ लेने के कई मामले सामने आ चुके हैं। यह मामले बड़ी संख्या में कोर्ट के पास लंबित हैं। कई मामलों में ईडी को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से लताड़ भी लग चुकी है। यह संशोधन पुराने मामलों में लागू होगा, तो ऐसी स्थिति में भी रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश अभी भी बनी हुई है। सरकार और रिजर्व बैंक ने जो संशोधन किए हैं, इसका सीधा लाभ कारोबारियों को मिलता हुआ नहीं दिख रहा है। जिस तरह से आयात और निर्यात व्यापार में फेमा के रोजाना कई मामले सामने आ रहे हैं। कारोबारियों को जिस तरह से ईडी द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। इसका असर भारत के निर्यात व्यापार पर पड़ा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में कर चोरी करने के लिए तस्करी के मामले भी बड़ी तेजी के साथ बढ़े हैं। सरकार ने जो संशोधन किए हैं। उससे फेमा के बहुत सारे मामले जुर्माने के माध्यम से ले-देकर निपटाने का एक नया रास्ता बनाया गया है। यही कहा जा सकता है।

पितरों के प्रति श्रद्धा का महान पर्व है श्राद्ध!

भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक के सोलह दिनों को पितृ पक्ष कहते हैं, जिसमें हम अपने पूर्वजों की याद करते हैं। इस बार पितृ पक्ष 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक रहेंगे। पितृ पक्ष में पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध, ब्राह्मण भोज आदि किया जाता है। साथ ही, पितृ पक्ष की तिथियों पर पितरों की पूजा करके उनको तृप्त किया जाता है।जिन पूर्वजों का देहांत हो चुका है, उन्हें हम पितृ मानते हैं। मृत्यु के बाद पितृ सूक्ष्म लोक में रहते हैं। पितरों का आशीर्वाद सूक्ष्मलोक से परिवारवालों को मिलता है।पितृपक्ष में पितृ धरती पर आकर अपने लोगों को आशीर्वाद देकर उनकी समस्याएं दूर करते हैं। पितृ नाराज हो जाएं तो घर की तरक्की में बाधाएं उत्पन्न होने लगती हैं। श्राद्ध पक्ष को पितृपक्ष और महालय के नाम से भी जाना जाता है।इस बार श्राद्ध दिवस निम्न प्रकार से रहेंगे,

पूर्णिमा श्राद्ध17 सितंबर 2024 मंगलवार

प्रतिपदा श्राद्ध 18 सितंबर 2024 बुधवार

द्वितीया श्राद्ध19 सितंबर 2024 गुरुवार

तृतीया श्राद्ध 20 सितंबर 2024 शुक्रवार

चौथा श्राद्ध21सितंबर2024 शनिवार

पांचवां श्राद्ध 22 सितंबर 2024 रविवार

छठा श्राद्ध 23 सितंबर 2024 सोमवार

सातवां श्राद्ध 24 सितंबर 2024 मंगलवार

आठवां श्राद्ध 25 सितंबर 2024 बुधवार

नौवां श्राद्ध 26 सितंबर 2024 गुरुवार

दसवां श्राद्ध 27 सितंबर 2024 शुक्रवार

एकादशी श्राद्ध 28 सितंबर 2024 शनिवार

द्वादशी श्राद्ध 29 सितंबर 2024 रविवार

त्रयोदशी श्राद्ध 30 सितंबर 2024 सोमवार

चतुर्दशी श्राद्ध 1 अक्तूबर 2024 मंगलवार

सर्व पितृ अमावस्या2 अक्तूबर 2024 बुधवार

कुतुप मुहूर्त- 18 सितंबर यानी कल सुबह11 बजकर50मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 39 मिनट तक

रौहिण मुहूर्त- दोपहर 12 बजकर 39 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 28 मिनट तक

अपराह्न मुहूर्त- दोपहर1बजकर 28 मिनट से 3 बजकर 55 मिनट तक।

जब महाभारत के युद्ध में कर्ण का निधन हो गया और उनकी आत्मा स्वर्ग पहुंच गई, तो उन्हें रोजाना भोजन की बजाय खाने के लिए सोना और गहने दिए गए। इस बात से निराश होकर कर्ण की आत्मा ने इंद्र देव से इसका कारण पूछा। तब इंद्र ने कर्ण को बताया कि आपने अपने पूरे जीवन में सोने के आभूषणों को दूसरों को तो दान किया, लेकिन कभी भी अपने पूर्वजों को दान नहीं दिया। तब कर्ण ने उत्तर दिया कि वह अपने पूर्वजों के बारे में नहीं जानता है और उसे सुनने के बाद, भगवान इंद्र ने उसे 15 दिनों की अवधि के लिए पृथ्वी पर वापस जाने की अनुमति दी ताकि वह अपने पूर्वजों को भोजन दान कर सके। तब से इसी 15 दिन की अवधि को पितृ पक्ष के रूप में जाना जाता है।श्राद्ध अपने दिवंगत पूर्वजो को याद करने ,उनके प्रति श्रद्धा भाव अभिव्यक्त करने का पुनीत अवसर है। श्राद्ध वाले दिन सुबह उठकर स्नान कर देव स्थान व पितृ स्थान को गाय के गोबर से लिपकर व गंगाजल से पवित्र कर लेना चाहिए। महिलाएं शुद्ध होकर पितरों की याद में पितरों की रुचि का भोजन बनाये। इसके बाद ब्राहम्ण को घर पर बुलाकर या मंदिर में पितरों की पूजा और तर्पण का अनुष्ठान कराएं। आप ये काम खुद भी कर सकते हैं। पितरों के समक्ष अग्नि में गाय का दूध, दही, घी और खीर अर्पित करें। उसके बाद पितरों के लिए बनाए गए भोजन के चार ग्रास निकालें जिसमें एक हिस्सा गाय, एक कुत्ते, एक कौए और एक अतिथि के लिए रखें। गाय, कुत्ते और कौए को भोजन डालने के बाद ब्राहम्ण को आदरपूर्वक भोजन कराएं, उन्हें वस्त्र और दक्षिणा दें। ब्राहम्ण के रूप में आपका दामाद या ध्याना भी हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति किसी कारणों से बड़ा श्राद्ध नहीं कर सकता तो उसे पूर्ण श्रद्धा के साथ अपने सामर्थ्य अनुसार उपलब्ध अन्न, साग-पात-फल और दक्षिणा किसी ब्राह्मण को आदर भाव से दे देनी चाहिए।

श्राद्ध पक्ष के दिनों में ।ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।।मन्त्र का वाचन करना चाहिए। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन श्राद्ध की शुरूआत और समापन में ।।देवताभ्य: पितृभ्यश्च महायोगिभ्यन एव च। नम: स्वा्हायै स्व धायै नित्ययमेव भवन्युव त।।का वाचन करे।

पितर 2 प्रकार के होते हैं एक दिव्य पितर और दूसरे पूर्वज पितर। दिव्य पितर ब्रह्मा के पुत्र मनु से उत्पन्न हुए ऋषि हैं। पितरों में सबसे प्रमुख अर्यमा हैं जिनके बारे में गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि पितरों में प्रधान अर्यमा वे स्वयं हैं।दूसरे प्रकार के पितर पूर्वज होते हैं। पितृपक्ष में अपने इन्हीं पितरों को लोग याद करते हैं और इनके नाम से पिंडदान, श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाते हैं। कठोपनिषद्, गरुड़ पुराण, मार्कण्डेय पुराण के अनुसार पितर अपने परिजनों के पास पितृपक्ष श्राद्ध के समय आते हैं और अन्न जल एवं आदर की अपेक्षा करते हैं। जिन परिवार के लोग पितृ पक्ष के दौरान पितरों के नाम से अन्न जल दान नहीं करते। श्राद्ध कर्म नहीं करते हैं। उनके पितर भूखे-प्यासे धरती से लौट जाते हैं। इससे परिवार के लोगों को पितृ दोष लगता है। इसे पितर शाप भी कहते हैं। इससे संतान प्राप्ति में बाधा आती है। परिवार में रोग और कष्ट बढ जाता है।

पितर पक्ष में जिन तिथियों में पूर्वज यानी पिता, दादा, परिवार के लोगों की मृत्यु हुई होती है उस तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध का नियम है कि दिन के समय पितरों के नाम से श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाना चाहिए। कहा जाता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। श्राद्ध पक्ष में मांसाहार पूरी तरह वर्जित माना गया है। श्राद्ध पक्ष का माहात्म्य उत्तर व उत्तर-पूर्व भारत में ज्यादा है। तमिलनाडु में आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में इसे पितृ पंधरवडा नाम से जानते हैं। श्राद्ध स्त्री या पुरुष, कोई भी कर सकता है। श्रद्धा से कराया गया भोजन और पवित्रता से जल का तर्पण ही श्राद्ध का आधार है।

श्राद्ध का अनुष्ठान करते समय दिवंगत पूर्वज का नाम और उसके गोत्र का उच्चारण किया जाता है। हाथों में कुश की पैंती (उंगली में पहनने के लिए कुश का अंगूठी जैसा आकार बनाना) डालकर काले तिल से मिले हुए जल से पितरों को तर्पण किया जाता है। मान्यता है कि एक तिल का दान बत्तीस सेर स्वर्ण तिलों के बराबर है। परिवार का उत्तराधिकारी या ज्येष्ठ पुत्र ही श्राद्ध करता है। जिसके घर में कोई पुरुष न हो, वहां स्त्रियां ही इस परम्परा को निभाती हैं। परिवार का अंतिम पुरुष सदस्य अपना श्राद्ध जीते जी करने के लिए स्वतंत्र माना गया है। संन्यासी वर्ग अपना श्राद्ध अपने जीवन में कर ही लेते हैं।

श्राद्ध पक्ष पूर्वजों के प्रति
नमन का है पुनीत अवसर
पर जीवित उनके रहते हुए
उन्हें भूले रहते हम अक्सर
जीते जी सेवा बडो की
खुश होकर करते जो जन
वे सदा सुख ही भोगते
तनाव मुक्त रहता उनका मन
दिवंगत होने के बाद भी
पितृ लोक से वे देते आशीष
पर जिसने उनको कष्ट दिया
उन्हें कभी नहीं मिलती बख्शीस
माता पिता को जिसने देव माना
श्राद्ध का भाव उसी ने जाना।

पीएम जनमन से बैगा परिवारों की बदल रही तस्वीर और तकदीर

कबीरधाम,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संचालित पीएम जनमन योजना (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान) के चलते छत्तीसगढ़ राज्य अति पिछड़े जनजातीय समुदाय तकदीर और इनकी बसाहटों की तस्वीर तेजी से बदलने लगी है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के रहवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास होने लगा है। बरसों-बरस से आवास, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित इन जनजातीय समूहों को अब मिशन मोड में यह बुनियादी सुविधाएं सुभल होने लगी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना के सफल क्रियान्वयन से राज्य के सभी विशेष पिछड़ी जनजातीय इलाकों में बुनियादी विकास एवं निर्माण के कार्य तेजी से कराये जा रहे है। राज्य में पीएम जनमन योजना को शुरू हुए अभी एक साल का भी अरसा पूरा नहीं हुआ है, फिर भी छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता के चलते इसके सार्थक परिणाम दिखाई देने लगे है। कबीरधाम जिले में प्रधानमंत्री जनमन योजना के चलते बैगा समुदाय की तकदीर और इनकी बसाहटों की तस्वीर बदलने लगी है। छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित कबीरधाम, राजनांदगांव, मुंगेली, बिलासपुर और कोरिया जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लोग निवास करते है। जनसंख्यात्मक दृष्टिकोण से बैगा, छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों में सर्वाधिक आबादी वाला जनजाति समुदाय है। छत्तीसगढ़ राज्य में उक्त 5 जिलों में बैगा समुदाय के 24 हजार 589 परिवार निवासरत है, जिसमें से लगभग 46 प्रतिशत यानि 11 हजार 261 परिवार कबीरधाम जिले में रहते हैं। कबीरधाम जिले के बोड़ला एवं पंडरिया में बैगा समुदाय के लोग निवास करते हैं। इस समुदाय की 38 बसाहटों में निवासरत 255 परिवारों के घरों में विद्युत सुविधा से रौशन किया जा चुका है, जबकि 56 बैगा बसाहटों को जोड़ने के लिए 186.20 किलोमीटर लम्बाई वाली 47 सड़कों के निर्माण के लिए 135.72 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी गई है। इनमें से 42 सड़कों के निर्माण प्रारंभ हो चुका है, जिसके अंतर्गत पक्की डामरीकृत सड़क एवं नदी-नालों पर पुल-पुलियों का निर्माण जारी है। कबीरधाम के पंडरिया विकासखंड के ग्राम भागड़ा, जामुनपानी, कामठी, कुई, मंगली सारपानी टाकटाईयां, बदना, गुडा, छिरहा, मुनमुना, नेउर और लालपुर में विशेष शिविर लगाकर बैगा समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य एवं सिकलसेल की जांच के साथ ही 1870 बैगा परिवारों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए हैं। इन गांवों के 86 गर्भवती माताओं का सुरक्षित प्रसव कराया गया। स्वास्थ के प्रति जन-जागरूकता का विशेष अभियान संचालित करने का यह परिणाम है कि अब बैगा समुदाय की महिलाएं भी प्रसव के लिए सरकारी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में बिना झिझक आने लगी है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेती-किसानी के लिए दी जा रही मदद के चलते अब बैगा समुदाय के लोग बेवर खेती को छोड़ परंपरागत तौर-तरीकों से खेती-किसानी करने लगे है।

बेवर खेती दरअसल झूम खेती है। बैगा समुदाय के लोग एक स्थान पर स्थायी तौर पर निवास न करने के कारण बेवर यानी झूम खेती किया करते थे। बिना ब्याज के कृषि ऋण, अनुदान पर कृषि यंत्रों सहित अन्य सुविधाएं मिलने की वजह से बैगा समुदाय के लोग अब बेवर खेती को छोड़ स्थायी खेती करने लगे है। कबीरधाम जिले में शासन द्वारा बैगा समुदाय के लोगों को किसान क्रेडिट कार्ड एवं खेती-किसानी के लिए इस वर्ष 11.70 लाख रूपए का कृषि ऋण दिया जा चुका है। ग्राम दमगढ़ निवासी समेलाल बैगा के पास 5.5 एकड़ कृषि भूमि है। प्रधानमंत्री जनमन येाजना के तहत उन्होंने एक लाख रूपए ऋण लेकर अपनी कृषि भूमि पर धान की खेती के लायक बना दिया है। समेलाल का कहना है कि धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी और राशि का तत्काल भुगतान होने से उन्हें कृषि से लाभ होने लगा है। ग्राम रोखनी के राजकुमार बैगा के पास 02 एकड़ कृषि भूमि है। प्रधानमंत्री जनमन योजना से ऋण लेकर उन्होंने खेत का सुधार कराया है और धान की खेती की है। फसल अच्छी होने की वजह से उन्हें, इससे लाभ होने की उम्मीद है। नवीन क्रेडिट कार्ड से ऋण मिलने से खेती की जरूरतें पूरी होने लगी है। पीएम-जनमन योजना के चलते कबीरधाम जिले की 260 बैगा बसाहटों में सोलर पंप, पानी टंकी, पाईप लाईन के माध्यम से बैगा परिवारों के घरों में नल से जल की आपूर्ति का काम तेजी से कराया जा रहा है। वर्तमान में विकासखंड बोड़ला के 181 बसाहटों में से 62 बसाहटों में सोलर पंप, पानी टंकी, पाईप लाईन के माध्यम से जलापूर्ति शुरू कर दी गई है, शेष 119 बसाहटों में नल कनेक्शन दिए जाने का काम जारी है। पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत 78 बैगा बसाहटों में से 18 बसाहटों में नल से जल प्रदाय करने का काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष बसाहटों में पानी टंकी निर्माण कार्य, पाईप लाईन बिछाने का काम जारी है। बैगा बसाहटों में पेयजल के लिए पहले से हैण्डपंप स्थापित है। प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत कबीरधाम जिले में 8 हजार 596 विशेष पिछड़ी जनजाति के तहत बैगा समुदाय के परिवारों का सर्वे में 8 हजार 440 परिवार बैगा परिवार आवास के लिए पात्र पाए गए है, जिनमें से 7853 का परिवारों का पंजीयन आवास पोर्टल में किया गया है एवं 7394 परिवारों को आवास की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परिवारों में से 6 हजार 678 हितग्राहियों को प्रथम किश्त, 3031 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त एवं 1081 हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि ऑनलाईन डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। बैगा समुदाय के रहवासी इलाकों में 4 छात्रावास, 39 आंगनबाड़ी केन्द्र, 2 वनधन केन्द्र, 13 बहुद्देशीय केन्द्र सहित कुल 370 कार्यों की स्वीकृति दी गई हैं, जिन्हें तेजी से पूरा कराया जा रहा है।

कोलकाता के जूनियर डॉक्टर और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टरों के ऊपर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कोई भी जादू नहीं चल पाया। उसके बाद उन्होंने आत्मसमर्पण की मुद्रा भी अपना ली। जूनियर डॉक्टर आत्मसमर्पण करने के बाद भी मानने को तैयार नहीं है। पहली बार ममता बनर्जी को एहसास हो रहा है, भारतीय जनता पार्टी के अनुवांशिक संगठनों ने अपनी जड़े कहां-कहां तक फैला ली हैं। रही सही कसर हाई कोर्ट,सुप्रीम कोर्ट और राज्यपाल महोदय पूरी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में ममता बनर्जी भी तुरूप का कोई पत्ता छोड़ना नहीं चाहती हैं। इतने दिन के बाद भी सीबीआई अपराधी को नहीं खोज पाई। इसके बाद भी वह डॉक्टरों से मिलने धरना स्थल पर पहुंच गई। वह जनता को एक बड़ा संदेश देना चाहती थी। वह संदेश उन्होंने दे दिया है। उन्होंने जूनियर डॉक्टरों की पोल आम जनता के सामने खोल दी है। हड़ताल के कारण 50 से अधिक मरीजों की मौत हो गई। सुप्रीम कोर्ट के कहने पर भी डॉक्टर हड़ताल पर हैं। महिला डॉक्टर की हत्या और रेप मामले के स्थान पर ममता बनर्जी का इस्तीफा लेने के लिए जूनियर डॉक्टरों को उकसाया गया है। ममता बनर्जी इतनी आसानी से अपने हथियार नहीं डालती हैं। धरना स्थल पर जाना, बड़ी चाल के रूप में देखा जा रहा है।

शब्द पहेली - 8132

बाएँ से दाएँ

1.पैगंबर,खुदाई रहनुमा-4
4.कारगुजारी,करिश्मा-4
7.दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8.पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9.गहराई-2
10.राय,वोट-2
12.आलीशान,उदार-3
14.नकारना,इंकार करना-2,3
15.चोरी करना-2,3
17.राशन,खाद्य सामग्री-3
19.गन्ना-2
21.हर रोज,प्रतिदिन-2
23.वाद्य बजाने वाला-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
25.जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26.महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1.हमेशा,हर पल,सदैव-4
2.जनता,लोक-2
3.द्रव पदार्थ-3
4.नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5.और,एवं-2
6.मन भटकाना-4
11.झगड़ा,कहासुनी-4
13.कोमलता-4
14.राजी करना-3
15.सहखिलाड़ी-4
16.चौकीदार,प्रहरी-4
18.कीचड़ -4
20.नगद राशि-3
22.पानी से सराबोर-2
24.थोड़ा,जरा-2

शब्द पहेली -8131 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

क्षमा है युद्ध एवं शत्रुता का समाधान

क्षमावाणी दिवस- 18 सितम्बर, 2024

दिगम्बर जैन समाज का सबसे अहम आत्म शुद्धि का महापर्व दशलक्षण पर्व इस वर्ष भादो सुदी पंचमी 8 सितम्बर से प्रारंभ होकर अनंत चतुर्दशी 17 सितम्बर तक मनाया जा रहा है। उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होकर क्षमावाणी पर्व पर यह संपन्न होगा, दस दिनों तक क्रमशः दस धर्मों की आराधना की जाती है। पूरे विश्व के दिगम्बर जैन धर्म के अनुयायी इस पर्व को बड़े ही उत्साह व आत्मीयता से मनाते है। दशलक्षण पर्व के दिनों में क्रमशः उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन तथा उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की जाती है। ये सभी आत्मा के धर्म हैं, क्योंकि इनका सीधा सम्बन्ध आत्मा के कोमल परिणामों से हैं। इस पर्व का एक वैशिष्टय है कि इसका संबंध किसी व्यक्ति विशेष से न होकर आत्मा के गुणों से है। इस प्रकार यह गुणों की आराधना का पर्व है। इन गुणों से एक भी गुण की परिपूर्ण हो जाये तो मोक्ष तत्व की उपलब्धि होने में किंचित भी संदेह नहीं रह जाता है। मानव इन दस धर्म को अपने जीवन मे अपनाकर अपने जीवन का धार्मिक, सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत रूप से उन्नयन कर सकता है, इन दिनों मे सभी दिगम्बर जैन मंदिरों मे प्रातः से ही भक्तों का अम्बार लग जाता है।

उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होने वाला यह पर्व अश्विन कृष्ण एकम को क्षमावाणी पर्व पर सम्पन्न होता है, क्षमावाणी दिवस पर सबसे अपने भूलों की क्षमा याचना की जाती है। इस दिन श्रावक (गृहस्थ) और साधु दोनों ही वार्षिक प्रतिक्रमण करते हैं। पूरे वर्ष में उन्होंने जाने या अनजाने यदि संपूर्ण ब्रह्मांड के किसी भी सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव के प्रति यदि कोई भी अपराध किया हो, तो उसके लिए वह उनसे क्षमा याचना करता है। अपने दोषों की निंदा करता है और कहता है- मेरे सभी दुष्कृत्य मिथ्या हो जाएं। क्षमावाणी पर्व पर हर मंदिरों मे क्षमावाणी अभिषेक के पश्चात् क्षमावाणी पर्व मनाया जाता है, इसके माध्यम से एक दूसरे के हृदय की मलीनता दूर की जाती है। क्षमा आत्मा का स्वभाव है। क्षमा पृथ्वी का नाम है। जिस प्रकार पृथ्वी तरह-तरह के बोझ को सहन करती है, इसी प्रकार चाहे कैसी भी विषम परिस्थिति आए, उसमें भी अपने मन को स्थिर रखना, अपने भीतर क्रोध रूप परिणत न करना क्षमा है। उत्तम क्षमा के धारक पुरूष को मात्र अपने आत्मा की शुद्धि ही साध्य है। क्षमा ब्रह्म है, क्षमा सत्य है, क्षमा तप है, क्षमा पवित्रता है, क्षमा ने ही सम्पूर्ण जगत को धारण कर रखा है।

क्षमा को धारण करने वाले इंसान ऋजु होते हैं, उनके कर्म संस्कार क्षय होते हैं जबकि जो कुटिल होते हैं, उनके कर्म संस्कार संचित रहते हैं। हंस और बगुला लगभग एक से लगते हैं, किंतु उन दोनों के स्वभाव में बडा अंतर होता है। यही कारण है कि हंस से लोग प्रेम करते हैं और बगुले से द्वेष करते हैं। जिस प्रकार बीज बोने के लिए जमीन पर हल, चलाकर उसे अच्छी तरह जोतकर तथा कूड़ा-करकट से रहित कर साफ किया जाता है उसी प्रकार क्षमा रूपी बीज का वपन करके मन रूपी भूमि को मांजा जाता है एवं आत्मा की निर्मलता के द्वारा उत्तम चरित्र रूपी फल की उपलब्धि सुनिश्चित की जाती है। दुनिया में आज जितने भी अनर्थ और पापकर्म होते हैं, चाहे हिंसा के रूप में हो, आतंक के रूप में हो, शोशण के रूप में हो वे सब क्षमा के अभाव में ही होते हैं। जो परस्त्री और परपदार्थो के प्रति निःस्पृह है, समस्त प्राणियों के प्रति जिसका चित्त अहिंसक है और जिसने दुर्भेद्य अंतरंग मन को धो लिया है ऐसा पवित्र हृदय ही क्षमा धर्म की पात्रता को धारण कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति इस पवित्र एवं पावन दिवस पर भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है। गलती करना मानवोचित्त है, लेकिन क्षमा करना देवतोचित्त है।

मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा-'अहो ते खंति उत्तमा'-क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं।

भारत की संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' समूची वसुधा कुटुम्ब है, सारा विश्व एक परिवार है, का उद्घोश हुआ। यह महावीर की अहिंसा एवं बुद्ध की करुणा से प्रेरित उद्घोश है, जो विश्व मैत्री को बल देता है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। क्षमा वाणी के दिन सभी से शत्रुता, नफरत एवं द्वेश को मिटा कर गले लगाने का दिन है। यह दिलों को जोड़ने का पर्व है, यह आत्मा को निर्मल बनाने का पर्व है। दस दिनों की कठोर साधना एवं क्षमावाणी का घोश मानवीय संवेदनाओं को जागृत करने की एक विलक्षण साधना है। क्षमा देने एवं क्षमा लेने की यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिश्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं।

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। दशलक्षण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है, जिसमें सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। इस तरह से दशलक्षण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है -'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन''-श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ''सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं।

खेल - समाचार

भारतीय हॉकी टीम ने चीन को उसी के घर में रौंद ,5वीं बार जीता एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब

हुलुनबुइर(ईएमएस)। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी 2024 में धमाल करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की टक्कर मंगलवार को चीन से थी। इस मैच को जीतने में भारत को पसीने छूट गए। मगर आखिर में टीम ने 1-0 से जीत दर्ज की।

भारतीय टीम के लिए यह एकमात्र गोल चौथे क्वार्टर के 10वें मिनट में डिफेंडर जुगराज सिंह ने किया। इससे पहले मैच में दोनों टीमों के बीच काफी कड़ी टक्कर रही। पहले तीन क्वार्टर बगैर किसी गोल के 0-0 से बराबरी पर रहे थे। मगर चौथे क्वार्टर में जुगराज ने मैच विनिंग गोल दागकर खिताब अपने नाम किया। यह फाइनल मुकाबला चीन के हुलुनबुइर में हुआ। इससे पहले भारतीय टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 4-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। दूसरी चीन की हॉकी टीम पहली बार एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी। मगर वो खिताब जीतने से चूक गई।

27 से भारत-बांग्लादेश के बीच होगा दूसरा टेस्ट मैच, तैयारियां पूरी

कानपुर (ईएमएस)। भारत-बांग्लादेश के बीच 27 सितंबर से ग्रीनपार्क स्टेडियम में होने वाले टेस्ट मैच के टिकट 17 सितंबर की शाम पांच बजे से मिलना शुरू हो जाएंगे। यूपीसीए ने सोमवार को टिकट दरों की सूची जारी कर दी। यूपीसीए के कोषाध्यक्ष प्रेम मनोहर गुप्ता व वेन्यू डायरेक्टर डॉ. संजय कपूर ने बताया कि टेस्ट मैच के लिए टिकट बिक्री मंगलवार शाम पांच बजे से बुक माई शो पर शुरू होगी। इस बार दर्शक प्रतिदिन के हिसाब से टिकट खरीद सकेंगे। एक दिन की सबसे सस्ती टिकट 200 रुपये की है। मैच से पांच दिन पहले काउंटर से भी टिकट बिक्री पर विचार चल रहा है। काउंटर स्टेडियम और शहर में किन स्थानों पर खुलेंगे, इस पर फैसला एक-दो दिन में लिया जाएगा। डॉ. संजय कपूर ने बताया कि स्टूडेंट की टिकट महंगी नहीं की गई हैं। पांचों दिन की टिकट एक साथ लेने पर काफी डिस्काउंट मिलेगा। सी बालकनी की क्षमता अभी तय नहीं हो पाई है, इसलिए कुल टिकटों की संख्या व दर्शक क्षमता का फैसला एचबीटीयू की रिपोर्ट के बाद होगा। एचबीटीयू अपनी रिपोर्ट मंगलवार को देगी।

अब विश्व कप में महिलाओं को भी मिलेगी पुरुष क्रिकेटरों के बराबर राशि : आईसीसी

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक अहम घोषणा करते हुए कहा है कि अब विश्व कप में महिला क्रिकेटरों को भी पुरुष क्रिकेटरों के बराबर इनामी राशि दी जाएगी। आईसीसी के इस नये नियम का पालन यूएई में अगले माह होने वाले महिला टी20 विश्व कप से ही होगा। आईसीसी के बयान के अनुसार महिला टी20 विश्व कप में विजेता बनने वाली टीम को अब 23 लाख 40 हजार अमेरिकी डालर मिलेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया को पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में खेले गए महिला टी20 विश्व कप जीतने पर 10 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि ही मिली थी। इस तरह से इसमें 134 फीसदी की वृद्धि हुई है। भारतीय पुरुष टीम को इस साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप का विजेता बनने पर 23 लाख 40 हजार अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी।

आईसीसी ने कहा, 'आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 पहला आईसीसी टूर्नामेंट होगा जिसमें महिलाओं को पुरुषों के समान पुरस्कार राशि मिलेगी जो इस खेल के इतिहास में एक अहम उपलब्धि होगी। आईसीसी के बयान के अनुसार, 'यह फैसला जुलाई 2023 में आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में लिया गया जब आईसीसी बोर्ड ने अपने 2030 के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से सात साल पहले पुरस्कार राशि समान करने का फैसाला किया था। इस तरह से क्रिकेट पहला प्रमुख खेल बन गया है जिसमें विश्व कप में पुरुषों और महिलाओं को समान पुरस्कार राशि दी जाएगी।

कोरियाई ओपन जीतने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं सिंधु

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने देश में बैडमिंटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में एक बड़ी भूमिका निभाई है। सिंधु ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। सिंधु ने कोरियाई ओपन सुपर सीरीज भी जीती है और ये उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। सिंधु ने खेल के साथ ही पढ़ाई भी जारी रखते हुए एमबीए किया है।

महान बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच पुलेला गोपीचंद के मार्गदर्शन में सिंधु की प्रतिभा उभरी और वह 2014 में कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला एकल में जीत हासिल करने में सफल रहीं। रियो ओलंपिक 2016 में सिंधु ने रजत जीता। वहीं 2017 में सिंधु ने कोरिया ओपन सुपर सीरीज के महिला एकल फाइनल में नोजोमी ओकुहारा को हरा दिया। इस प्रकार सिंधु कोरिया में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थीं। यह उनका तीसरा सुपर सीरीज खिताब था। इससे पहले अजय जयराम कोरिया ओपन में पहुंचने वाले पहले भारतीय थे।

संतोष कश्यप बने भारतीय महिला फुटबॉल टीम के नये मुख्य कोच

नई दिल्ली (ईएमएस)। संतोष कश्यप भारतीय महिला फुटबॉल टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने संतोष को सीनियर महिला फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच बनाये जाने की घोषणा की है। कश्यप के साथ ही प्रिया पीवी को सहायक कोच जबकि रघुवीर प्रवीन खानोलकर गोलकीपिंग कोच होंगे। वहीं कोच बनाये जाने से उत्साहित कश्यप ने कहा, राष्ट्रीय टीम का कोच बनान सम्मान की बात होती है। मैं ये अवसर दिये जाने के लिए महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे, तकनीकी समिति, तकनीकी विभाग और महासंघ के अन्य वरिष्ठ सदस्यों का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा। संतोष भारतीय टीम के पूर्व फुटबॉलर हैं। खेल से संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर खेल से जुड़े रहे। उनके पास करीब एक दशक का कोचिंग अनुभव है। वह मोहन बागान एसी, आइजॉल एफसी, मुंबई एफसी, सलगांवकर एफसी, रॉयल जैसे कई टीमों से भी जुड़े थे। इसके अलावा नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और हाल ही में ओडिशा एफसी के सहायक कोच भी रहे हैं।

वह अभी ओडिशा एफसी में यूथ डेवलपमेंट हेड और तकनीकी निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम में काफी अच्छे और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर टीम को तकनीकी रूप से सुधार करना होगा। उन्होंने साथ हीकहा, पिछले एसएएफएफ चैंपियनशिप के परिणाम अच्छे नहीं रहे थे, लेकिन इस बार सही रणनीति, सही सोच और निर्णय लेने की क्षमता के साथ हम खिताब वापस जीत सकते हैं।

अमेरिका ने विश्वकप लीग 2 एक दिवसीय मुकाबले में नामीबिया को हराया

विंडहोक (ईएमएस)। मोनांक पटेल 72 और साई तेजा एम नाबाद 59 की शानदार बल्लेबाजी से अमेरिका ने विश्वकप लीग 2 एकदिवसीय मुकाबले में नामीबिया को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में जीत के लिए अमेरिका को 200 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 41.3 ओवर में ही तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अमेरिका ने इस मैच में टॉस जीतकर नामीबिया को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 के स्कोर पर ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाज खो दिये। इसके बाद यान फ्रायलिंक और कप्तान एराडर इरास्मस ने तीसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर पारी को संभाला। यान फ्रायलिंक ने 70 और एराडर इरास्मस ने 27 रन बनाए पर इसके बाद अमेरिकी गेंदबाजों ने विरोधी टीम को ध्वस्त कर दिया। जेजे स्मिट ने 49 और निकोल लॉफ्टी-ईटन ने 17 रन की पारी खेली, जिससे नामीबिया ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट पर 199 रन का स्कोर खड़ा किया। वहीं अमेरिका की ओर से सौरभ नेत्रवलकर, हुवानॉय ड्राइसडेल और मिलिंद कुमार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसदीप सिंह, नॉस्थुश केनजिगे और हरमित सिंह को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिकी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 57 रन पर दो विकेट खो दिए। स्मित पटेल (9) और सुशांत मोदानी (36) रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान मोनांक और साई ने पारी को संभाला और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेज के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबार दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.88 अंक करीब 0.11 फीसदी ऊपर आकर 83,079.66 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 34.80 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी बढ़कर 25,418.55 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ पर बंद हुए। भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एमएंडएम, टाइटन और एलएंडटी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, रिलायंस और इंफोसिस के शेयर भी उछले।

वहीं दूसरी ओर 15 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, मारुति, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, नेस्ले इंडिया और एक्सिस बैंक के शेयर भी नीचे आये।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान के निक्केई इंडेक्स में 2.06 फीसदी और शंघाई कंपोजिट में 0.48 फीसदी की गिरावट रही। टोक्यो, बैंकॉक और शंघाई बाजार लाल निशान में हैं। वहीं हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 1.50 फीसदी की गिरावट आई। गत दिवस अमेरिकी बाजार मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार कारोबारी सत्र में करीब सपाट स्तर पर खुला। सभी मुख्य सूचकांकों में एक सीमित दायरे में कारोबार हो रहा था। बीएसई का सेंसेक्स 78 अंक की गिरावट के साथ 82,909 और निफ्टी 12 अंक या 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,370 पर कारोबार कर रहा था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी सपाट कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 7 की मामूली गिरावट के साथ 60,252 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 5.90 अंक की मामूली बढ़त के साथ 19,543 पर था

बारिश में हुए कटाव के चलते बने हालातः भारत 2 सौ एकड़ जमीन बांग्लादेश को लौटाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत बांग्लादेश को 2 सौ और बांग्लादेश भारत को 40 एकड़ जमीन लौटाएगा। ये फैसला बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया। इसमें यह तय हुआ कि 200 एकड़ भूमि बांग्लादेश को लौटाई जाएगी, जो नदी के कटाव के कारण भारत में चली गई थी। जमीन से जुड़े विवाद को लेकर इस साल की शुरुआत में सर्वे किया गया। इसमें पूरा मामला सामने आ गया था। बीजीबी की 47वीं बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल एम महबूब मुर्शेद रहमान ने मामले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि गत 10 फरवरी को सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि लगभग 200 एकड़ बांग्लादेश की भूमि भारतीय क्षेत्र में और करीब 40 एकड़ भारतीय भूमि बांग्लादेश क्षेत्र में चली गई है। दोनों देश अब अक्टूबर में आधिकारिक रूप से सीमाओं को सही करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवादित भूमि का फिर से सर्वे करने और उसे उसके वास्तविक मालिकों को लौटाने पर सहमति बनी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीजीबी और बीएसएफ के सीनियर अधिकारियों के बीच रविवार को मीटिंग हुई। इसमें विवादित भूमि का फिर से सर्वे करने और इसे सही मालिकों को लौटाने का संयुक्त निर्णय लिया गया। दौलतपुर उपजिला में रामकृष्णपुर संघ के चालिसपारा क्षेत्र में यह विवादित भूमि स्थित है, जो पद्मा नदी के मार्ग में बदलाव और प्राकृतिक आपदाओं के कारण विवाद में रही है। इसने 3 किलोमीटर के क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय सीमा स्तंभों को अव्यवस्थित कर दिया। बैठक में सीमा पर हत्याओं को रोकने और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल रहमान ने किया, जबकि रोशनबाग बटालियन के कमांडेंट विक्रम देव सिंह ने बीएसएफ का प्रतिनिधित्व किया। लेफ्टिनेंट कर्नल रहमान ने जोर दिया कि जब तक दोबारा सर्वे पूरा नहीं हो जाता, तब तक किसी को भी विवादित भूमि का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने सीमा पर हाल ही में हुई हत्याओं के खिलाफ बांग्लादेश का कड़ा विरोध भी जताया।

23 को भविष्य के संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी नवीनतम तिथियों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 सितंबर को भविष्य के संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन को संबोधित करने वाले हैं, लेकिन वे संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित नहीं करने वाले है। यह जानकारी इस महीने की शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रकाशित संशोधित सूची के बाद सामने आई है। हालांकि, अब जारी वक्ताओं की संशोधित अंतिम सूची के अनुसार, विदेश मंत्री एस जयशंकर के अब 28 सितंबर को आम बहस को संबोधित करने की उम्मीद है।

भविष्य का शिखर सम्मेलन क्या है?

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भविष्य के शिखर सम्मेलन का उद्देश्य विश्व के नेताओं को एक साथ लाना है, ताकि मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के प्रयासों में तेजी लाई जा सके, उभरती हुई चुनौतियों का सामना किया सके, अवसरों का लाभ उठाया जा सके। नेताओं से भविष्य के समझौते को अपनाने की उम्मीद है, जो एक दूरदर्शी दस्तावेज है जिसमें एक वैश्विक डिजिटल समझौता भी शामिल होगा।

कौन होगा पहला वक्ता

संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र की आम बहस इस साल 24 से 30 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। परंपरागत रूप से बहस में पहला वक्ता ब्राजील 24 सितंबर को उच्च स्तरीय सत्र की शुरुआत करेगा। दूसरा वक्ता अमेरिका होगा, जिसके मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन संयुक्त राष्ट्र के मंच से सदस्य देशों के नेताओं को अपने कार्यकाल का आखिरी संबोधन देने वाले है।

न्यूयॉर्क में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़.....कुछ दूरी पर ही होना है पीएम मोदी का कार्यक्रम

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। न्यूयॉर्क के मेलविल में एक मंदिर में हुई तोड़फोड़ को लेकर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वायरल वीडियो पर भारत सरकार ने संज्ञान लिया और कहा कि भारत के लिए इस तरह की घटनाएं अस्वीकार्य हैं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पोस्ट में कहा, न्यूयॉर्क के मेलविले में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के पास संकेतक बोर्ड को विरूपित करने की घटना अस्वीकार्य है। पोस्ट में कहा गया कि वाणिज्य दूतावास 'समुदाय के संपर्क में हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया गया है।'

अमेरिका में बीएपीएस स्वामिना रायण मंदिर में तोड़फोड़ का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। इस मामले की जांच जारी है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस कोशिश में लगी हुई है। मेलविले, लॉन्ग आइलैंड के सफोल्क काउंटी में स्थित है और नासाउ वेटरंस मेमोरियल कोलिजीयम से लगभग 28 किलोमीटरदूर है, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी 22सितंबर को सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं। सोशल मीडियापरसामनेआई फुटेज के अनुसार, मंदिर के बाहर सड़क और प्रतीक चिह्नों पर स्प्रे पेंट से आपत्तिजनक शब्द लिखे गए। हिंदूअमेरिकन फाउंडेशन ने 'एक्स' परपोस्ट में कहा कि न्याय विभाग और गृह सुरक्षा विभाग को घटना की जांच करनी चाहिए। रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा, उन लोगों की कायरता के बारे में समझाना मुश्किल है, जो एक निर्वाचित नेता के प्रति गुस्सा दिखाने के लिए हिंदू मंदिर पर हमला करते हैं।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी हुई महंगी

- सोने के भाव 73,400 रुपए, चांदी लगभग 89,650 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को तेजी देखने को मिल रही है, जबकि सोने के वायदा भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। मंगलवार को सोने के वायदा भाव 73,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,650 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव में सुस्ती और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 198 रुपये की गिरावट के साथ 73,298 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 76 रुपये की गिरावट के साथ 73,420 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 118 रुपये की तेजी के साथ 89,727 रुपये पर खुला। इस समय यह 41 रुपये की तेजी के साथ 89,650 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद नरम पड़ गए, जबकि चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद चढ़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,609.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,608.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,605.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.13 डॉलर था। इस समय यह 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 31.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेरू के जंगल में लगी भीषण आग, 15 की मौत, कई झुलसे

लीमा (ईएमएस)। पेरू के जंगल में लगी भीषण आग से करीब 15 लोगों की जलने से मौत हो गई। वहीं छह लोग आग से झुलस गए हैं उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि 128 लोगों को छुट्टी दे दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट में पेरू के स्वास्थ्य मंत्री सीजर वास्केज ने इन मौत की पुष्टि की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अधिकारी सतर्क रहें और आग से प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। पेरू के राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे आग से प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी जारी रखने और अधिकारियों और अन्य संस्थानों के साथ कार्रवाई का समन्वय करने के निर्देश दिए और अमेज़न क्षेत्र का दौरा किया।

पाकिस्तान में गिराई गई अहमदिया समुदाय की 40 साल पुरानी मस्जिद

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय की 40 साल पुरानी एक मस्जिद की मीनारों को कथित तौर पर ध्वस्त कर दिया। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान यानी कि जेएपी ने कहा कि इस पूरी कार्रवाई को डीएसपी की निगरानी में अंजाम दिया गया। यह घटना लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर देपालपुर के ओकारा में हुई। बता दें कि पाकिस्तान में अहमदिया मुसलमानों को पिछले कई सालों से लगातार निशाना बनाया जाता रहा है और अक्सर उनके इबादतगाहों पर हमले होते हैं।

जेएपी के पदाधिकारी आमिर महमूद ने बताया कि पंजाब पुलिस के 12 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने सुभान शाह में अहमदिया मस्जिद की मीनारों को ध्वस्त कर वहां लिखे शब्दों को भी मिटा दिया। उन्होंने बताया, 'पुलिस उपाधीक्षक की निगरानी में देपालपुर थाने से पुलिस की 2 गाड़ियां आईं और अहमदी मस्जिद पर छापेमारी करके इलाके की घेराबंदी कर दी। इसके बाद मीनारों को ढहा दिया गया। महमूद ने बताया कि यह मस्जिद 1984 के आसपास बनी थी और 40 साल पुरानी थी।

पिछले साल 42 मस्जिदों पर हुआ हमला

लाहौर हाई कोर्ट के जस्टिस तारिक सलीम शेख ने पिछले साल अपने फैसले में साफ कर दिया था कि 1984 से पहले बनी अहमदी मस्जिदों की संरचनाओं में किसी तरह की छेड़छाड़ की जरूरत नहीं है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हमें देपालपुर में अहमदिया मस्जिद की मीनारों के खिलाफ शिकायत मिली थी। हमने स्थानीय अहमदिया लोगों को बुलाया और उनसे मीनारों को गिराने के लिए कहा क्योंकि वे मुस्लिम मस्जिदों की तरह दिखती थीं। उनके इनकार करने पर पुलिस ने उन्हें गिरा दिया।' महमूद ने बताया कि पिछले साल पाकिस्तान में अहमदिया लोगों की करीब 42 मस्जिदों पर हमला हुआ था।

थोक महंगाई 4 महीने के निचले स्तर पर, अगस्त में 1.31 फीसदी रही

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। थोक महंगाई अगस्त महीने में 1.31 फीसदी पर आ गई है। ये इसके 4 महीने का निचला स्तर है। बताया जा रहा है ?कि रोजाना की जरूरत वाला सामान सस्ता होने से महंगाई में ?गिरावट देखी जा रही है। इससे पहले जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 फीसदी पर आ गई थी। जून में ये 3.36 फीसदी और मई में 2.61 फीसदी पर थी। वहीं अप्रैल में ये 1.26 फीसदी पर थी। इससे पहले 12 सितंबर को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। अगस्त महीने में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.65 फीसदी हो गई है। जुलाई महीने में ये 3.54 फीसदी पर थी। सब्जियों के महंगे होने से अगस्त महीने में रिटेल महंगाई बढ़ी है।

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक भाव बहुत ज्यादा समय तक उच्च स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई पर लगाम लगा सकती है। जैसे कच्चा तेल ज्यादा महंगा होने की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी।

हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। हाल ही में हुई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग के दौरान आरबीआई ने इस वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई अनुमान को 4.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा था। आरबीआई गवर्नर ने कहा था- महंगाई कम हो रही है, लेकिन प्रोग्रेस धीमी और असमान है। भारत की महंगाई और ग्रोथ ट्रैजेक्टरी संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना महत्वपूर्ण है कि महंगाई टारगेट के अनुरूप हो।

मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा एक लाख के पार

मुंबई (ईएमएस)। इस साल सितंबर महीने में मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा एक लाख से अधिक हो गया है, जो पिछले साल की तुलना में काफी तेजी दिखाता है। 2023 में यह आंकड़ा अक्टूबर के आ?खिर तक पहुंचा था, जबकि इस वर्ष सितंबर के मध्य में ही प्रॉपर्टी बिक्री ने 1 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। मुंबई प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन विभाग के अनुसार 16 सितंबर तक 1.03 लाख से अधिक प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में करीब 90 हजार घरों की बिक्री हुई थी। 2023 के जनवरी से सितंबर तक की तुलना में इस साल 10 हजार से अधिक घरों की बिक्री हुई है। खास बात यह है कि सितंबर 2024 में अब तक 5,962 घरों की बिक्री हो चुकी है, जिससे सरकार को 957 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। मुंबई में प्रॉपर्टी बाजार की यह तेजी इस बात की ओर इशारा करती है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में गतिविधियां तेज हो रही हैं और लोगों की घर खरीदने की रुचि बढ़ रही है।

भारत से भी बड़ी होगी रूसी सेना

करीब 2 लाख सैनिकों की भर्ती होगी, पुतिन ने 2 साल में तीसरी बार आदेश दिया

मास्को (ईएमएस)। रूस एक बार फिर अपनी सेना में इजाफा करने जा रहा है। राष्ट्रपति पुतिन ने सैनिकों की संख्या बढ़ाने का आदेश दिया है। आदेश के मुताबिक रूसी सेना में 1.80 लाख सैनिकों की भर्ती की जाएगी। इससे रूसी आर्मी में कुल सैन्य कर्मियों की संख्या लगभग 23.8 लाख हो जाएगी। इसमें एक्टिव सैनिकों की संख्या 15 लाख होगी।

नई भर्ती दिसंबर में होगी। एक्टिव सैनिकों के मामले में फिलहाल रूस से आगे चीन, भारत और अमेरिका हैं। नई भर्ती के बाद एक्टिव सैन्यकर्मी के मामले में वह दूसरे नंबर पर आ जाएगा। इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज के मुताबिक चीन के पास करीब 20 लाख एक्टिव सैन्यकर्मी हैं। वहीं, भारत के पास करीब 14 लाख एक्टिव और अमेरिका के पास 13 लाख एक्टिव सैन्यकर्मी हैं।

फरवरी 2022 में यूक्रेन जंग की शुरुआत होने के बाद यह तीसरी बार है, जब पुतिन ने सेना का आकार बढ़ाया है। पुतिन ने अगस्त 2022 में 1.37 लाख सैनिकों की बढ़ोतरी का आदेश दिया था। इससे रूसी सेना में कुल सैनिकों की संख्या 20 लाख से ज्यादा हो गई थी। इसमें 11.5 लाख एक्टिव सैनिक थे। इसके बाद दिसंबर 2022 में रूसी सेना में 1.70 लाख और सैनिक बढ़ाए गए। इससे कुल एक्टिव आर्मी 13.2 लाख हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक सैनिकों की संख्या बढ़ाने का पुतिन का यह आदेश इसलिए भी अहम है, क्योंकि पिछले महीने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना घुस गई थी। यूक्रेन ने रूस के करीब 1,175 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद ये पहली बार था जब रूस ने इतनी जमीन गंवाई। हालांकि अब रूस ने अपनी जमीन वापस हासिल करने की कोशिश तेज कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले हफ्ते रूस और यूक्रेनी सेना के बीच कुर्स्क के कई इलाकों में मुठभेड़ हुई। इस बीच रूस ने पूर्वी डोनबास इलाके के अहम यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क पर कब्जा करने की कोशिश तेज कर दी है।

भारत से हथियार खरीद रहा आर्मेनिया, अब तक 2 अरब डॉलर की डील

येरेवान (ईएमएस)। अजरबैजान के हमले का सामना कर रहा आर्मेनिया अब भारत से हथियार खरीद का समझौता कर रहा है। यह समझौता 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत अब आर्मेनिया को हथियार देने वाला देश बन गया है। आर्मेनिया ने साल 2020 में भारत से आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा था। इस हथियार समझौते में लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपें और अस्त्र एयर टु एयर मिसाइल शामिल हैं। आर्मेनिया चाहता है कि भारत उसके सुखोई 30 विमानों को अपग्रेड करे जिसे उसने रूस से खरीदा था। इन सुखोई विमानों में ही अस्त्र मिसाइल को लगाया जाना है।

नगोर्नो काराबाख पर कब्जा करने के बाद भी अजरबैजान की सेना लगातार आर्मेनिया पर हमले कर रही है। अब तक आर्मेनिया रूस से हथियार खरीदता था लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद उसे मास्को से हथियारों की सप्लाई बंद हो गई है। इससे आर्मेनिया ने भारत से हथियार खरीदने के लिए समझौता किया है। विश्लेषकों का कहना है कि इससे भारत की दक्षिणी काकेकस इलाके में पकड़ मजबूत हुई है। भारत इस इलाके में अब तुर्किए और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कर सकता है। साथ ही भारत की यूरोपीय और यूरेशियाई देशों में स्थिति मजबूत हो रही है।

एक रिपोर्ट बताया गया है कि आर्मेनिया को इस साल के आखिर तक आकाश-1 एस एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मिल जाएगा। आर्मेनिया ने 2022 में 15 आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए समझौता किया था। यह पूरी डील 72 करोड़ डॉलर की थी। आर्मेनिया आकाश सिस्टम को खरीदने वाला पहला विदेशी खरीदार देश है। पिछले चार साल से आर्मेनिया भारत से सबसे ज्यादा हथियारों का आयात करने वाला देश बना हुआ है। आकाश के अलावा पिनाका सिस्टम के लिए भी आर्मेनिया ने भारत के साथ समझौता किया है।

आर्मेनिया ने साल 2024-25 में अब तक 60 करोड़ डॉलर के हथियारों की डील की है। भारत आर्मेनिया को तोप, एंटी टैंक रॉकेट और एंटी ड्रोन उपकरणों की सप्लाई कर रहा है। यह रक्षा समझौते इस बात को दिखाते हैं कि भारत और आर्मेनिया क्षेत्रीय गठबंधन को नया आकार देना चाहते हैं।

गया में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला शुरू

गया, (ईएमएस)। बिहार के गया में पितृपक्ष मेला का शुभारंभ मंगलवार 17 सितंबर को किया गया। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री संतोष कुमार सुमन, पर्यावरण मंत्री डॉ प्रेम कुमार तथा सांसद अभय कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर पितृपक्ष मेला का उद्घाटन किया।

पितृपक्ष मेला के शुभारंभ के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पितृपक्ष मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर कई निर्देश दिए थे। पिंडदान की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है जो आगामी 2 अक्टूबर तक चलेगी। मेला अवधि के दौरान यहां आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा को लेकर सभी प्रकार की व्यवस्था की गई है। साथ ही पिंडवेदियों पर सुरक्षा आदि तमाम तरह की व्यवस्था की गई है।

इस साल करीब 20 लाख तीर्थयात्रियों के आने की संभावना है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अतिथि देव: भव: का भाव रखना है। गया में मेट्रो, एयरपोर्ट, रेलवे का चहुमुखी विकास किया जा रहा है। यह डबल इंजन का परिवर्तन है। राज्य के भूमि सुधार राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि आज 17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है और इसी दिन पितृपक्ष मेला शुरू हो रहा है। जबकि समाप्ति के दिन गांधी जयंती है। वन जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि रामशिला, प्रेतशिला, धर्मारण्य, मातंग व्यापी, सरस्वती पिंडवेदी पर जिला प्रशासन ने बेहतर व्यवस्था की है।

चंद्रमा पर अपना बेस बनाएगा चीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर इंसानी बेस बनाने जा रहे हैं। लूनर बेस कहिए या मून बेस। चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन यानी चीन की स्पेस एजेंसी ने अपना प्लान जगजाहिर कर दिया है। चीन ने बताया कि उनका मून बेस दो हिस्सों में बनेगा। पहले 2030 और दूसरा 2035।

इस प्लान में रूस मदद कर रहा है। चीन और रूस मिलकर इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन बनाने जा रहे हैं। साल 2030 से 2035 के बीच पांच सुपर हैवीलिफ्ट रॉकेटों से सामान वगैरह पहुंचाए जाएंगे। वहां पर बेसिक रोबोटिक मून बेस बनाया जाएगा। लेकिन अब चीन इस प्रोजेक्ट में लीड ले चुका है।

उसने हाल ही में अनहुई में हुए इंटरनेशनल डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन कॉन्फ्रेंस में अपना प्लान बताया।

मानसून सीजन ने सितंबर में गिराई डीजल की मांग, 12.3 फीसदी घटी बिक्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यों के रिटेल विक्रेताओं की डीजल बिक्री सितंबर के पहले पखवाड़े में पिछले महीने की तुलना में कम हो गई। शुरुआती बिक्री डेटा के अनुसार मानसून की बारिश ने औद्योगिक गतिविधि और आवाजाही को प्रभावित किया। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता भारत में ईंधन की मांग आमतौर पर जून से शुरू होने वाले चार महीने के मानसून सीजन के दौरान कम हो जाती है क्योंकि देश के कुछ हिस्से भारी बाढ़ से प्रभावित होते हैं।

आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य के खुदरा विक्रेताओं ने सितंबर की पहली छमाही में 2.4 मिलियन मीट्रिक टन डीजल बेचा, जो अगस्त की समान अवधि से 4 प्रतिशत कम और एक साल पहले की तुलना में 12.3 प्रतिशत कम है। डीजल का उपयोग ज्यादातर ट्रकों और वाणिज्यिक वाहनों द्वारा किया जाता है। मुख्य रूप से यात्री वाहनों में उपयोग होने वाले गैसोलीन की बिक्री 1.23 मिलियन टन पर स्थिर रही।

हालांकि, आंकड़ों से पता चलता है कि गैसोलीन की बिक्री पिछले साल पहली सितंबर से 5.1 प्रतिशत कम थी। गतिशीलता को सीमित करने के अलावा मानसून की बारिश ने कृषि क्षेत्र की मांग को भी प्रभावित किया है क्योंकि किसान सिंचाई के लिए गैसोईल से चलने वाले जनरेटर का उपयोग करते हैं।

एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में गैसोइल की खपत सीधे औद्योगिक गतिविधि से जुड़ी हुई है। राज्य के खुदरा विक्रेताओं इंडियन ऑयल कॉर्प, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड के पास देश के लगभग 90 प्रतिशत खुदरा ईंधन आउटलेट हैं। शुरुआती बिक्री डेटा के अनुसार मानसून की बारिश ने औद्योगिक गतिविधि और आवाजाही को प्रभावित किया। चार राज्य ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने सितंबर की पहली छमाही में 1.32 मिलियन टन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस बेची, जो पिछले महीने से 3.3 प्रतिशत अधिक और पिछले वर्ष से 2.9 प्रतिशत कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि विमानन ईंधन की बिक्री पिछले महीने से 1.1 प्रतिशत कम होकर 303,600 टन रही।

देश के कुछ राज्यों में महंगा हुआ पेट्रोल, कहीं घटे भाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। कच्चे तेल में बड़ी गिरावट के बाद अब भाव में फिर तेजी आई है। वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमत 68.97 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि ब्रेंट क्रूड ने 71.83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार हो रहा है। कच्चे तेल के कीमतों में उतार-चढ़ाव असर का पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखता है। हालांकि भारत में ईंधन की कीमतों में ज्यादा असर नहीं पड़ा है लेकिन कुछ राज्यों में कीमतों में घटी-बढ़ी हैं। मंगलवार को चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है जबकि 3 अन्य महानगर दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश, असम और छत्तीसगढ़ समेत कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं आंध्र प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है।

लाइव टीवी डिबेट में हिंसक लड़ाई

साओ पाउलो (ईएमएस)। ब्राजील के साओ पाउलो में मेयर पद के लिए हो रही लाइव डिबेट में एक उम्मीदवार ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर कुर्सी से हमला कर दिया। घायल प्रत्याशी को हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़ा। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। ये डिबेट वामपंथी उम्मीदवार जोस लुईज दातेना और दक्षिणपंथी नेता पाब्लो मार्सेल के बीच हो रही थी। मार्सेल ने दातेना पर यौन उत्पीड़न से जुड़े 11 साल पुराने मामले को लेकर टिप्पणी कर दी थी। इससे नाराज होकर दातेना ने कुर्सी से कई बार मार्सेल पर हमला किया।

निवेश किए 20 हजार बन गए करोड़पति! एक साल में 53 हजार फीसदी चढ़ा शेयर

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीवी इंडस्ट्री की एक कंपनी ने निवेशकों को बना दिया करोड़पति। इस स्टॉक ने निवेशकों को एक साल मालामाल कर दिया है। यह स्टॉक एक साल में करोड़पति बना चुका है। यह कंपनी श्री अधिकारी ब्रदर्स के नाम से जानी जाती है, जिसने इस अवधि के दौरान 53,050 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने से यह स्टॉक हर दिन अपर सर्किट लगा रहा है।

विगत शुक्रवार को भी इसके शेयर अपर सर्किट पर थे, जो करीब दो फीसदी चढ़कर 690.95 रुपये पर बंद हुए। एक महीने में इस शेयर ने करीब 49 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले पांच दिन में इस शेयर में आठ फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी आई। वहीं छह महीने में यह शेयर 1500 फीसदी चढ़ गए है। कंपनी ने जनवरी से लेकर अभी तक निवेशकों को 23,725.86 फीसदी का रिटर्न दिया है। लगातार सर्किट लगाने के कारण इसके सर्किट लिमिट को एक्सचेंजों ने घटाकर दो फीसदी कर दिया है, जिसका मतलब है कि एक दिन में यह शेयर दो फीसदी से ज्यादा नहीं चढ़ सकेंगे और ना ही घट सकते हैं। लिमिट तय होने के बाद भी श्री अधिकारी ब्रदर्स के शेयर पर अपर सर्किट लगने का सिलसिला जारी है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये शेयर हाई रिस्क वाला हो सकता है, क्योंकि ये छोटी कंपनी का शेयर है। ऐसे कंपनियों का मार्केट वैल्यू बहुत कम होता है, जिस कारण बड़े निवेशकों के लिए इस शेयर को गिराना और चढ़ाना आसान होता है। इस कारण सावधानी से ऐसे शेयरों में निवेश करना चाहिए, वरना आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

श्री अधिकारी ब्रदर्स टेलीविजन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड एक भारतीय टेलीविजन नेटवर्क कंपनी है जिसका मुख्यालय मुंबई में है। 90 के दशक में श्री अधिकारी ब्रदर्स ने दूरदर्शन, स्टार प्लस और अन्य टेलीविजन चैनलों से टीवी धारावाहिकों का निर्माण शुरू किया था। 1999 में, सब टीवी नाम से हिंदी कॉमेडी चैनल शुरू किया लेकिन 6 साल बाद इसे सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया को बेच दिया। अब कंपनी हिंदी संगीत और व्यंग्य चैनल के रूप में अपना दूसरा चैनल मस्ती चलाती है।

सब्जियों की कीमतों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में इस साल अब तक लंबी अवधि के औसत से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। ?जिससे आने वाले समय में सब्जियों और दूध की औसत खुदरा कीमतों में ?गिरावट आ सकती है। यह जानकारी हाल ही जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि अब बुआई करीब पूरी हो चुकी है। अब फोकस फसल कटाई सीजन की तरफ शिफ्ट हो गया है।

इस साल 6 सितंबर तक कुल 109.2 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में बुआई हुई है और इसमें पिछले साल के मुकाबले सालाना आधार पर 2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है।

रिपोर्ट में बताया गया कि इस सीजन में सभी मुख्य फसलों की अच्छी बुआई देखने को मिली है। चावल की 41 मिलियन हेक्टेयर्स, दालों की 12.6 मिलियन हेक्टेयर्स, मोटे अनाज की 18.9 मिलियन हेक्टेयर्स और तिलहन की 19.2 मिलियन हेक्टेयर्स में बुआई हुई है। बुआई का कुल क्षेत्रफल सामान्य बुआई क्षेत्रफल का 99 प्रतिशत है, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत था। रिपोर्ट में बताया गया कि अधिक आपूर्ति होने के कारण कीमतों में हाल में कमी देखने को मिली और कीमतें कुछ समय के लिए यहां स्थिर रह सकती हैं, जब तक बाजार में नई आपूर्ति नहीं आ जाती है।

बांग्लादेश में अब यूनुस ने खालिदा जिया के अरमानों पर फेरा पानी

ढाका (ईएमएस)। शेख हसीना के देश छोड़कर भागने के बाद ऐसा लगा था कि मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार कुछ दिनों तक रहेगी और फिर चुनाव होंगे। खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) इसमें खुद के लिए रास्ता देख रही थी। लेकिन अब बीएनपी की सांसें फूलने लगी हैं। उसे डर सताने लगा है क्योंकि जिस तरह अंतरिम सरकार जड़ें फैला रही है, कहीं हमेशा के लिए यही सरकार न रह जाए। इस बीच एक सर्वे बांग्लादेश की मीडिया में पब्लिश हुआ है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि देश की 80 फीसदी आबादी अंतरिम सरकार के कामकाज से खुश है और चाहती है कि यही सरकार हमेशा के लिए बनी रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरूल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि जनता लंबे समय तक अंतरिम सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। एक सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि 80 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि यह सरकार जब तक चाहे तब तक बनी रहे।

बीएनपी महासचिव ने कहा, मेरा मानना है कि ऐसी बातें कहते या रिपोर्ट करते समय ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसी किसी भी रिपोर्ट को सोच समझकर पब्लिश किया जाना चाहिए। खालिदा जिया की पार्टी इस बात से डरी हुई है कि अगर मुहम्मद यूनुस सत्ता न छोड़े तो क्या होगा। क्योंकि 10 दिनों से बांग्लादेश की कई ताकतवर लॉबी ये बात फैला रही है कि यूनुस सरकार नहीं जाने वाली है, क्योंकि वे ऐसा काम कर रहे हैं, जिसे देश की जनता पसंद कर रही है। अगर इस सरकार ने वो कर लिया जो जनता की चाहत है, तो बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बीएनपी चाहती है कि जल्द स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं। देश में एक चुनी हुई सरकार बने। चुने हुए जनप्रतिनिधि ही ये फैसला लें कि कौन से सुधार जरूरी हैं। सरकार को ही निर्णय लेना चाहिए। संविधान में बदलाव लाया जाए या फिर नया संविधान लिखा जाए, ये सबकुछ निर्णय करने का अधिकार सांसदों को ही है। फखरूल ने कहा, मुझे बहुत आश्चर्य होता है जब मैं देखता हूं कि हाई प्रोफाइल लोग, जो समाज में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं, भ्रामक बयान दे रहे हैं।

मैं इस बात से हैरान हूं कि इस सरकार द्वारा जिन लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनमें से कुछ अब कह रहे हैं कि एक नई पार्टी के गठन की जरूरत है। उन्हें यह अधिकार किसने दिया? उन्हें नई पार्टी बनाने का जनादेश कहां से मिला? ''हम लोग कैसे भरोसा करें कि वे निष्पक्षता से काम कर रहे हैं?

रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए गुजरात सबसे स्मार्ट चॉइस : केन्द्रीय मंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पूर्ण सहभागिता के साथ री-इन्वेस्ट समिट की मेजबानी के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री सहित पूरी राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

बता दें कि गुजरात की राजधानी गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सोमवार को चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट और एक्सपो का प्रारंभ हुआ था, गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। री-इन्वेस्ट समिट के आज दूसरे दिन प्रह्लाद जोशी ने कहा कि आज पूरी दुनिया गुजरात को हर क्षेत्र में विशेष प्रभाव के साथ एक प्रगतिशील राज्य के रूप में पहचानती है।

गुजरात दशकों से नवीकरणीय ऊर्जा के विकास में आगे रहा है। गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी बनाने वाला देश का पहला राज्य है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में कहा था, ''गुजरात वह राज्य है जहां श्वेत क्रांति और मधु क्रांति का उदय हुआ है।'' अब गुजरात में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में भी क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि गुजरात क्लाइमेट चेन्ज के लिए अलग विभाग बनाने वाला दुनिया का पहला राज्य है। गुजरात में साल के 300 दिन भरपूर मात्रा में सूर्य प्रकाश आने के कारण गुजरात में सौर ऊर्जा की क्षमता बढ़ाने की अनेक संभावनाएं मौजूद हैं।

इसके साथ ही, देश की सबसे लंबी तटरेखा होने के कारण यहां पवन ऊर्जा क्षेत्र में भी भरपूर संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वर्तमान में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में इन क्षमताओं को पहचानकर इन संसाधनों का श्रेष्ठ उपयोग कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए गुजरात को 'स्मार्ट चॉइस' बताते हुए कहा कि भारत के सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में गुजरात की हिस्सेदारी लगभग 54 फीसदी है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत देश में 3.5 लाख ग्राहकों ने रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किया है, जिसमें से 50 फीसदी इंस्टॉलेशन पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि क्लीन एनर्जी की पहल के लिए गुजरात को 4490 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसका गुजरात ने बेहतर तरीके से उपयोग किया है। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि गुजरात ने वर्ष 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को 100 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना में गुजरात ने एक मिसाल पेश की है। उन्होंने गुजरात को वास्तव में भारत का गौरव बताते हुए कहा कि अन्य राज्यों को भी गुजरात मॉडल का अनुसरण करते हुए पॉलिसी सपोर्ट प्रदान करने की शुरुआत करनी चाहिए।

देश की पहली नमो भारत रैपिड ट्रेन की नियमित सेवा शुरू, 5 घंटे में पहुंचे अहमदाबाद से भुज

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में देश की पहली नमो भारत रैपिड रेल की नियमित सेवा का आज से प्रारंभ हो गया है। सप्ताह में पांच दिन चलनेवाली इस ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद से वर्चुअली जुड़कर इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चूंकि पहले दिन यात्रा मुफ्त थी, इसलिए कच्छ के कुछ यात्रियों ने इसका फायदा उठाया। रेलवे विभाग ने आज देश की पहली नमो भारत रैपिड ट्रेन के शुभारंभ पर कच्छ के पर्यटकों के लिए मुफ्त यात्रा की व्यवस्था की। जिसमें कई लोग भुज से गांधीधाम और कई लोग अहमदाबाद तक की यात्रा के लिए इस नई ट्रेन का लाभ लेने पहुंचे और ट्रेन में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं को देखकर प्रभावित भी हुएं कच्छ के सांसद विनोद चावड़ा भी कच्छ के लिए अधिकतम ट्रेन लाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे हैं। आज कच्छवासियों को नई मेट्रो ट्रेन मिल गई। इस मुद्दे पर सांसद विनोद चावड़ा ने कहा कि आज देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन कच्छ पहुंच रही है, जिसका नाम अब से नमो भारत रैपिड ट्रेन भी है, जो देश और कच्छ के लोगों के लिए खुशी की बात हैं यह ट्रेन 5 घंटे में अहमदाबाद से भुज और भुज से अहमदाबाद पहुंच जाएगी। यह ट्रेन कई सुविधाओं से लैस है और इसमें 1150 तक यात्री सफर कर सकेंगे आपको बता दें कि यह ट्रेन मुंबई से भी जुड़ी हुई है, सुबह अहमदाबाद पहुंचने के बाद लोग अहमदाबाद से दोपहर में वंदे भारत एक्सप्रेस से मुंबई की यात्रा कर सकते हैं और रात में मुंबई पहुंच सकते हैं। यह ट्रेन कच्छ के छात्रों के साथ-साथ अन्य प्रांतों के लोगों के लिए भी बहुत उपयोगी होगी।

देश के विकास का ग्रोथ इंजन गुजरात 'गेट वे टू द फ्यूचर' के साथ रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में भी नेतृत्व कर रहा है

- री-इन्वेस्ट-2024 : मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में आयोजित हुआ 'गुजरात सेशन'

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो 2024 (री-इन्वेस्ट) के दूसरे दिन मंगलवार को आयोजित गुजरात सत्र में कहा कि देश के विकास का ग्रोथ इंजन गुजरात, 'ग्लोबल डेस्टिनेशन' और 'गेट वे टू द फ्यूचर' के साथ रिन्यूएबल एनर्जी स्रोत का अधिकतम विनियोग कर इस क्षेत्र में भी नेतृत्व कर रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि गुजरात विंड और सोलर एनर्जी के उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। राज्य की 50 हजार मेगावाट से अधिक की स्थापित ऊर्जा क्षमता में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी 54 फीसदी है। मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय री-इन्वेस्ट समिट के अंतर्गत 'एनर्जी ट्रांजिशन टूवड्‌र्स 100 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी इन गुजरात' विषय पर आयोजित स्टेट सेशन में भाग लिया। इस सेशन में भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, गुजरात के ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई तथा नॉर्वे के पूर्व जलवायु और पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम, मुख्य सचिव राज कुमार तथा मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर 'मिशन 100 गीगावाट ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी इन गुजरात' को लॉन्च करने के साथ ही 'गुजरात एनर्जी विजन 2047' का विमोचन भी किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री की उपस्थिति में चार समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जिनमें पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) और गुजरात सरकार के बीच 5 हजार करोड़ रुपए, जीएसईसी और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के बीच 59 हजार करोड़ रुपए, अवाडा एनर्जी और गुजरात पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीपीसीएल) के बीच 85 हजार करोड़ रुपए तथा जूनियर ग्रीन एनर्जी और गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) के बीच 30 हजार करोड़ रुपए के एमओयू शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम कर पर्यावरण संरक्षण के साथ ऊर्जा सुरक्षा और हरित ऊर्जा के अभिनव आयाम दिए हैं। देश का पहला सोलर पार्क गुजरात में उनके मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान चारणका में शुरू हुआ था और अब मोढेरा के रूप में देश का पहला सोलर विलेज की उपलब्धि भी गुजरात के नाम है। उन्होंने कच्छ के 37 गीगावाट क्षमता के विंड-सोलर हाइब्रिड एनर्जी पार्क, 4 सेमीकंडक्टर प्लांट और गुजरात की सेक्टर स्पेसिफिक पॉलिसियों, विशेषकर रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी तथा ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी का उल्लेख करते हुए ध्न्र्ऍिऊ समिट के हितधारकों से उनका अध्ययन करने और लाभ उठाने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुसार हम गुजरात को सोलर पैनल और विंड टरबाइन मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ें हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और नेट जीरो, इन तीनों लक्ष्यों को हासिल करने के साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी में आत्मनिर्भरता के लिए यह समिट महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

जिला न्यायालय, नडियाद में लोक अदालत के चमकदार परिणाम

राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण, सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली द्वारा निर्धारित लोक अदालत के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार और गुजरात राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, गुजरात उच्च न्यायालय, अहमदाबाद जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय, नडियाद के अध्यक्ष और प्रमुख के आदेश के अनुसार जिला जज श्री एन ए. अंजारिया की अध्यक्षता और मार्गदर्शन में, 14/09/2024, शनिवार को जिला न्यायालय, नडियाद स्थित अदालतों सहित खेड़ा जिले के सभी तालुका मुख्यालयों में कार्यरत अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया था। राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14/09/2024 से पहले अधिक से अधिक मामलों के निपटान के नेक उद्देश्य के लिए, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय नडियाद के पूर्णकालिक सचिव श्री। डी बी. जोशी ने लोक अदालत के लाभों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि लोक अदालत समाज के लिए संघर्ष समाधान का एक सुनहरा तरीका है, लोक अदालत में मामलों का निपटारा दोनों पक्षों के घर का दीपक रोशन करता है, इसमें निस्तारण के लिए अपील का कोई प्रावधान नहीं है और लोक अदालत में मामलों का निर्णय अंतिम होता है, न्यायालय शुल्क की राशि अधिनियम के अनुसार वापसी योग्य होती है, कोई अन्य व्यय नहीं किया जाता है ताकि अधिक से अधिक लोगों को अपील की जा सके।

जिसका सार्थक परिणाम इस राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित मामलों के निस्तारण में ज्वलंत परिणाम सामने आया है। जिसमें मोटर वाहन दुर्घटना क्षतिपूर्ति के 189 मामलों में 10,41,07,000/- रूपये, चेक रिटर्न ऑफ नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट 138, एन.सी. के 740 मामलों में 11,57,85,806/- रूपये। प्रकार के 753 मामले, मजिस्ट्रेट कोर्ट की विशेष बैठक में लागू 1904 मामले, बैंक/धन वसूली के 49 मामलों में 1,48,43,571/- रुपये, वैवाहिक दावों, बिजली-पानी के 37 मामलों में 2,48,050/- रुपये बकाया के 503 मामलों में बिल 1,12,87,811/- रुपये, अन्य नागरिक दावों के 104 मामलों में 1,72,78,699/- रुपये, समझौता योग्य और अन्य आपराधिक के 109 मामलों में 1,28,70,570/- रुपये एवं पारिवारिक न्यायालय के 217 4602 प्रकरणों में से 10 वर्षों से लंबित कुल 50 प्रकरणों के साथ-साथ राष्ट्रीयकृत बैंकों, मध्य गुजरात पावर कंपनी, अन्य वित्तीय संस्थाओं के लंबित प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन प्रकार के 834 प्रकरण जो दायर नहीं किये गये हैं। न्यायालय में कुल 3,50,66,434/- रूपये का समझौता मुआवजा प्रकरण सहित कुल 31,14,87,941/- रूपये तथा शासन से 29,75,300/- रूपये अर्थदण्ड वसूल कर 31 करोड़ से अधिक का सेटलमेंट किया गया। यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित ट्रैफिक चालान के 3440 मामलों में - कुल 8879 मुआवजा मामलों का निपटारा किया गया।

इस लोक अदालत में न्यायाधीश, कर्मचारी, वकील, बैंक, बीमा, वित्त कंपनियां, एस.टी. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय, नडियाद के अध्यक्ष और मुख्य जिला न्यायाधीश श्री। एन ए. अंजारिया की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है।

सिंगापुर गणतंत्र के मुंबई स्थित कॉन्सल जनरल ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री से भेंट की

गांधीनगर (ईएमएस) सिंगापुर गणतंत्र के मुंबई स्थित कॉन्सल जनरल चेओंग मिंग फुंग (ण्पदहु श्ग्हु इददहु) ने मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल के साथ गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की। उल्लेखनीय है कि चेओंग मिंग फुंग भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा गांधीनगर में आयोजित चौथी आरई इन्वेस्ट समिट में सहभागी होने के लिए गुजरात आए हैं। उन्होंने भूपेन्द्र पटेल के साथ इस भेंट-बैठक के दौरान रिन्यूएबल एनर्जी समिट की सफलता के लिए उन्हें अभिनंदन दिया। बैठक में सिंगापुर गणतंत्र के कॉन्सल जनरल ने गुजरात के साथ आर्थिक, रिन्यूएबल एनर्जी, अर्बन डेवलपमेंट तथा सेमीकोन सेक्टर में सहभागिता के प्रति उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि गुजरात में सेमीकंडक्टर के लिए एक अच्छे इकोसिस्टम की क्षमता है। इतना ही नहीं; सिंगापुर की प्रतिष्ठित सेमीकोन कंपनियों के प्लांट के लिए राज्य सरकार का दृष्टिकोण भी प्रोत्साहक है। चेओंग मिंग फुंग ने इस बात के लिए गुजरात की सराहना की कि गुजरात एनर्जी सेक्टर में ऑफशोर विंड एंड सोलर एनर्जी में महत्वपूर्ण लोकेशन है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में सिंगापुर-गुजरात के बीच स्मार्ट सिटीज, अर्बन डेवलपमेंट, सेमीकोन तथा रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में निवेश एवं संबंधों को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आपसी संवाद की पुरजोर हिमायत की। चेओंग मिंग फुंग ने इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को गुजरात-सिंगापुर के बीच सिंगापुर एयरलाइंस की अधिक सेवाएँ विकसित करने के विषय में भी जानकारी दी। इस बैठक में मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव पंकज जोशी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एम. के. दास तथा ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. जे. हैदर भी उपस्थित रहे।

गुजरात के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को दी जन्म दिन की शुभकामनाएं

- आचार्य देवव्रत ने प्राकृतिक कृषि उत्पादों की एवं भूपेंद्र पटेल ने 'ज्ञानी पुरुष-दादा भगवान' पुस्तक की भेंट दी

गांधीनगर (ईएमएस) राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर स्थित राजभवन में ठहरे गरवी गुजरात के सपूत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्म दिवस पर मंगलवार को पुष्प अर्पण कर समग्र गुजरात के नागरिकों की ओर से जन्म दिवस की शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी ने प्रधानमंत्री को शॉल ओढ़ा कर जन्म दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने गुजरात के धर्म-कर्म अनुरागी नागरिकों की ओर से शुभकामनाएँ देते हुए प्रधानमंत्री के सर्वाधिक योगक्षेम एवं स्वस्थ चिरायु की मंगल कामना व्यक्त की। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा, ''जीवन एवं राष्ट्र के प्रति आपका दृष्टिकोण न केवल भारतीयों, अपितु वैश्विक समाज को नवस्फूर्ति एवं प्रेरणा देने वाला है।'' राज्यपाल ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री को प्राकृतिक कृषि उत्पादों की भेंट दी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी सुबह ही राजभवन पहुँचे और उन्होंने प्रधानमंत्री को शॉल ओढ़ा कर उन्हें जन्म दिवस की शुभकामनाएँ दीं। भूपेन्द्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'ज्ञानी पुरुष-दादा भगवान' पुस्तक भेंट की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यश-कीर्ति से परिपूर्ण, सुदीर्घ एवं निरामय जीवन की कामना करते हुए कहा, ''गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर भारत के प्रधानमंत्री तक का आपका परिशुद्ध सार्वजनिक जीवन, राष्ट्रहित को सबसे ऊपर रखने की आपकी प्रतिबद्धता एवं भगीरथ पुरुषार्थ से आपदा को अवसर में बदलने का आपका दृष्टिकोण हम सभी के लिए प्रेरणा का अनंत स्रोत है।'' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात की तीन दिवसी यात्रा के दौरान सोमवार को ध्न्र्ऍिऊ रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो का उद्घाटन करते हुए भारत को रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में 500 गीगावाट उत्पादन का लक्ष्य दिया। उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की भेंट दी, गांधीनगर-अहमदाबाद मेट्रो रेल की भेंट दी तथा 'विकसित भारत-विकसित गुजरात' कार्यक्रम में 8000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की भेंट दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह राजभवन से रवाना हुए। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजभवन से भावपूर्ण विदाई दी।

गांधीनगर नया सचिवालय परिसर में स्पेशल प्लांटेशन ड्राइव

अब तक 13 करोड़ 95 लाख पौधे लगाकर गुजरात देश भर में दूसरे स्थान पर

- 'एक पेड़ मां के नाम' : गांधीनगर में नया सचिवालय परिसर के प्रांगण में स्पेशल प्लांटेशन ड्राइव

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2024 को देशवासियों को अपनी माता के प्रति प्रेम, आदर और सम्मान के प्रतीक के रूप में तथा धरती माता को हरा-भरा बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के जरिए पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया था। गुजरात ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में इस आह्वान का व्यापक समर्थन करते हुए राज्य व्यापी 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत अब तक 13 करोड़ 95 लाख पौधे लगाकर इस अभियान में देश भर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस अभियान को और अधिक गति देने के पर्यावरण अनुकूल विचार से गांधीनगर स्थित नए सचिवालय परिसर में 17 सितंबर को मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत स्पेशल प्लांटेशन ड्राइव का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल पीपल का पौधा रोप कर इस मुहिम में सहभागी बने। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल और वन मंत्री मुलु बेरा ने भी पौधे लगाए। राज्य सरकार के उप सचिव स्तर से लेकर अपर मुख्य सचिवों तक लगभग 2300 कर्मयोगियों ने इस मुहिम में शामिल होकर 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की राह दिखाई है। वन मंत्री मुलु बेरा ने इस अवसर पर कहा कि यह विशेष मुहिम राज्य के 33 जिलों में भी आयोजित की गई है, और जिलों के कार्यालयों में भी वृक्षारोपण किया जा रहा है।

स्वयं को सेवक मानना पीएम मोदी की महानता है : भजन सम्राट अनूप जलोटा

अहमदाबाद (ईएमएस) विख्यात भजन सम्राट अनूप जलोटा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर बड़ी बात कही हैं उन्होंने कहा कि खुद को सेवक मानना पीएम मोदी की महानता हैं दरअसल पीएम नरेन्द्र मोदी का आज जन्म दिन है और इसे लेकर गुजरात समेत देश-विदेश में विभिन्न कार्यक्रम मनाए जा रहे हैं पीएम मोदी के जन्मस्थल वडगर में भी भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं यह कार्यक्रम वडनगर के हाटकेश्वर मंदिर में अनूप जलोटा की भजन संध्या का आयोजन किया गया हैं इस कार्यक्रम में भाग लेने भजन सम्राट अनूप जलोटा भी वडनगर पहुंचे हैं जहां मीडिया से बातचीत में अनूप जलोटा ने सबसे पहले पीएम मोदी को उनके जन्म दिन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि पीएम मोदी इतने महान व्यक्ति हैं जो स्वयं को सेवक मानते हैं मेरी नजर में पीएम मोदी एक अवतार पुरुष हैं ईश्वर ने उन्हें यह कहकर भेजा है कि काम नहीं हो रहे जिन्हें तुम जाकर पूरा करों जलोटाने कहा कि हम जब कभी अमेरिका जाते हैं तो वहां भारतीय पासपोर्ट देख मोदी जी को याद करते हैं मैं भाग्यशाली हूं जो मुझे आज वडनगर आने का सौभाग्य मिला हैं वडनगर मेरे लिए पवित्र स्थान हैं पीएम मोदी ने आमंत्रित नहीं किया, हमें आदेश दिया है और हम उसी आदेश का पालन करने यहां आए हैं

अहमदाबाद मंडल पर ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

भारतीय रेलवे पर ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के तहत 17 सितम्बर 2024 से 01 अक्टूबर 2024 तक ''स्वच्छता पखवाड़ा'' मनाया जा रहा है। 02 अक्टूबर 2024 को ''स्वच्छ भारत दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल पर कई स्वच्छता संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया।

डीआरएम श्री शर्मा ने मंडल कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ''स्वच्छता शपथ'' दिलाई और प्रति वर्ष 100 घंटे श्रमदान करने का संकल्प लिया। इसी क्रम में मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कर्मचारियों एवं कॉन्ट्रैक्ट क्लीनिंग स्टाफ को भी स्वच्छता शपथ दिलाई गई। यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली द्वारा निरंतर स्वच्छता संबंधित संदेशों का प्रसारण किया जा रहा है।

स्वच्छता पखवाड़े का पहला दिन 'स्वच्छता जागरूकता दिवस' के रूप में मनाया गया। अहमदाबाद मंडल के कर्मचारियों ने ''एक पेड़ माँ के नाम'' थीम पर वृक्षारोपण भी किया। इस प्रकार के वृक्षारोपण कार्यक्रम मंडल के विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों, कोचिंग डिपो और अस्पतालों में भी आयोजित किए गए।

इस अभियान के माध्यम से अहमदाबाद मंडल पर भारतीय रेलवे के ठस्वच्छ भारतठ के लक्ष्य की ओर अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रहा है और समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार ने अहमदाबाद व गांधीनगर केपिटल स्टेशन का गहन निरीक्षण किया

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (र्पिं र्एिं) श्री सतीश कुमार ने अहमदाबाद मण्डल पर अपने प्रवास के दौरान अहमदाबाद व गांधीनगर स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया। सीआरबी ं सीईओ श्री कुमार ने अपने अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के रिडवलपमेंट कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

इस दौरान मण्डल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं ॅॅ के अधिकारियों के साथ गुजरात में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं की प्रगति के बारे में बैठक की जिसमें अहमदाबाद स्टेशन के पुनर्विकास सहित विभिन्न रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अहमदाबाद स्टेशन पर रिडवलपमेंट साइट का दौरा किया और चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति को देखा तथा निर्माण के दौरान क्वालिटी से कोई भी समझौता नहीं करने तथा कार्य में और तेज़ी लाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने गांधीनगर कैपिटल स्टेशन पर संरक्षा के मध्य नजर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम तथा पॉइंट ं क्रॉसिंग का निरीक्षण किया व स्थानीय रेलकर्मियों से चर्चा की। साथ ही गैंगमेन एवं कीमेन रेलकर्मियों के साथ मुलाकात की और उनसे संरक्षा संबंधी अहम पहलुओं पर जानकारी ली।

श्री कुमार ने साबरमती यार्ड में वैगन मेंटेनेस डिपो भी देखा और रनिंग रूम साबरमती में रनिंग स्टाफ से मुलाकात कर रेलवे द्वारा उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में जाना। उन्होंने मणिनगर रेलवे क्रॉसिंग का रात्रि कालीन निरीक्षण किया क्रॉसिंग पर कार्यरत गेटमेन को संरक्षा के बारे में सही जानकारी देने पर सराहना करते हुए पुरुस्कृत भी किया।

प्रवास के दौरान उन्होंने पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के साबरमती स्थित ऑपरेशन कमांड सेंटर को भी देखा तथा मुख्य महाप्रबंधक उड्ढण्ण्घ्‌ श्री मनीष अवस्थी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद किया।

इस दौरान श्री कुमार के साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र, मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री सुधीर कुमार शर्मा, आरएलडीए के मुख्य परियोजना प्रबंधक श्री संजीव कुमार तथा पश्चिम रेलवे के प्रमुख अधिकारियों के साथ-साथ अहमदाबाद मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एलसीबी की तहसील कांग्रेस प्रमुख समेत 5 लोगों के खिलाफ गुजसीटोक के तहत कार्रवाई

गिर सोमनाथ (ईएमएस) गिर सोमनाथ पुलिस ने गुजसीटोक के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एलसीबी पीआई ने संगठित अपराध करने के लिए तालुका कांग्रेस अध्यक्ष सहित 5 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की। 5 में से 4 आरोपियों को पुलिस ने राउंडअप कर लिया हैं

जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ तहसील कांग्रेस अध्यक्ष और कोडिनार के महेश मकवाना समेत 5 लोगों के खिलाफ संगठित अपराध करने के आरोप में कार्रवाई की गई हैं आरोपी महेश जेठाभाई मकवाणा, हरेश चिकूभाई उर्फ सीदी दमणिया, रमेश विराभाई चुडासमा, रफीक उर्फ भूरो सुलेमान सेलोत घांची और मुनाफ उर्फ मुनो नजीर नोहवी सिपाई पर गुजसीटोक के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में 5 में से 4 आरोपियों को राउंडअप कर लिया हैं पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार सभी आरोपी एक ही इरादे को अंजाम देने के लिए आरोपी महेश मकवाना के नेतृत्व में संगठित अपराध किया। आरोपियों के खिलाफ पिछले 10 साल में गिर सोमनाथ जिले के कोडिनार शहर, कोडिनार तहसील, गिर गढडा पुलिस थाना और तलाला पुलिस थानान्तर्गत गंभीर किस्म के अपराध हैं जिसमें दंगा, मारपीट, धमकी, डकैती, खनिज चोरी, हथियार धारा, सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की डयूटी में बाधा डालना और चोट पहुंचाना, रंगदारी, वाहन दुर्घटना जैसे अपराधों के जरिए भय का माहौल बना और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया हैं

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर भावपूर्ण विदाई दी

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा पूर्ण कर मंगलवार सुबह भुवेनश्वर के लिए रवाना हो गए। राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री को भावपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर प्रोटोकॉल मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव राज कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अपर मुख्य सचिव कमल दयाणी, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक, मेजर जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद जिला कलेक्टर सुश्री प्रवीणा डी. के., उप मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी संकेत सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों व अफसरों ने भी प्रधानमंत्री को भावपूर्ण विदाई दी। पीएम मोदी के गुजरात के दौरे को लेकर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात यात्रा एक यादगार बन गई। अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो रेल, भुज-अहमदाबाद नमो भारत रैपिड रेल, आरई-इन्वेस्ट 2024 का शुभारंभ, लाभार्थियों को आवास वितरण सहित विभिन्न परियोजनाएं गुजरात के लोगों के लिए अनोखी सौगात बन गईं।

एनएमडीसी को वर्ष 2023-2024 के लिए राजभाषा कीर्ति अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, सितंबर 17, 2024 : एनएमडीसी लिमिटेड, भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी को 'ग' क्षेत्र में स्थित उपक्रमों की श्रेणी में वर्ष 2023-2024 के लिए प्रतिष्ठित 'राजभाषा कीर्ति अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया ।

यह पुरस्कार राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह 2024 और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया । राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एनएमडीसी को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

एनएमडीसी की ओर से श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) ने श्री नित्यानंद राय, माननीय गृह राज्य मंत्री से यह अवॉर्ड प्राप्त किया । इस अवसर पर राज्यसभा के उप सभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह और राज्यसभा के सदस्य श्री सुधांशु त्रिवेदी उपस्थिति थे ।

इस अवसर पर श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी ने कहा कि, ''यह पुरस्कार एनएमडीसी की हिंदी के प्रयोग एवं प्रोत्साहन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति इसकी उत्कृष्टता को रेखांकित करता है । हम अपने प्रचालनों में राजभाषा के प्रति अपने प्रयासों में निरंतर प्रगति करने पर गर्व का अनुभव करते हैं ।''

एनएमडीसी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार को सदैव सर्वोच्च महत्व दिया है और इसे अनेक राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं । कंपनी के प्रयासों को इस्पात मंत्रालय ने इस्पात राजभाषा सम्मान तथा हैदराबाद, तेलंगाना के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने इस वर्ग के सर्वोच्च स्तर के राजभाषा अवॉर्ड से सम्मानित किया है ।

निर्यात में गिरावट के बीच नायरा एनर्जी ने घरेलू ईंधन बिक्री में 14.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

मुंबई, 16 सितंबर, 2024 - भारत के सबसे बड़े निजी ईंधन खुदरा विक्रेता, नायरा एनर्जी ने 2024 की दूसरी तिमाही में घरेलू ईंधन बिक्री में 14.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि ऐसे समय में बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जब निर्यात में गिरावट आई है।

अप्रैल-जून तिमाही के दौरान, नायरा ने गुजरात में वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित 75 प्रतिशत डीजल और 60 प्रतिशत पेट्रोल भारतीय बाजार में बेचा। पिछले वर्ष की समान अवधि में खुदरा डीजल की बिक्री 1.82 मिलियन टन से बढ़कर 2.08 मिलियन टन हो गई, जबकि खुदरा पेट्रोल की बिक्री पिछले वर्ष की समान अवधि में 0.809 मिलियन टन से बढ़कर 0.916 मिलियन टन हो गई।

नायरा एनर्जी ने रणनीतिक रूप से अपने खुदरा नेटवर्क का विस्तार किया है जिसमें अब पूरे भारत में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप शामिल हैं और 99 प्रतिशत स्टेशन पूरी तरह से स्वचालित हैं। इनमें से लगभग 35 प्रतिशत ईंधन स्टेशन टियर 3, 4 और 5 शहरों में स्थित हैं जो गतिशीलता बढ़ाते हैं और स्थानीय व्यापार का समर्थन करते हैं।

मजबूत घरेलू मांग के जवाब में, नायरा की पेट्रोल निर्यात बिक्री पिछले साल की कुल पेट्रोल बिक्री के 36 प्रतिशत से घटकर चालू तिमाही में 21 प्रतिशत हो गई। कंपनी ने मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व में 0.65 मिलियन टन डीजल सहित कुल 1.36 मिलियन टन ईंधन का निर्यात किया।

नायरा एनर्जी के सीईओ एलेसेंड्रो डी डोरिडस ने कहा, ''नायरा एनर्जी अपने घरेलू कारोबार का निर्माण स्थिर गति से कर रही है और रणनीतिक रूप से कम सेवा वाले बाजारों में अपने खुदरा नेटवर्क को मजबूत कर रही है, जिसमें भारत के विकास को गति देने की क्षमता है। ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी लगभग 35 प्रतिशत खुदरा दुकानों के साथ, हम गतिशीलता बढ़ाने और व्यापार को प्रोत्साहित करने वाले नए शहरी केंद्रों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में विश्वास करते हैं। घरेलू बाजारों में बेचे जाने वाले हमारे उत्पादों की लगातार बढ़ती हिस्सेदारी और हमारे संस्थागत व्यवसाय में साल-दर-साल देखी गई वृद्धि हमारे देश के लिए एक मजबूत ऊर्जा भागीदार के रूप में नायरा एनर्जी की प्रतिबद्धता को दोहराती है।

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजकोट मंडल के 8 कर्मचारियों को डीआरएम ने किया सम्मानित

रेल संरक्षा (सेफ्टी) में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजकोट मंडल के 8 कर्मचारियों को राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार द्वारा आज डीआरएम ऑफिस राजकोट स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राजकोट मंडल के यातायात, बिजली विभाग (कर्षण) एवं इंजीन्यरिंग विभाग के कर्मचारियों को यह अवार्ड अगस्त, 2024 के महीने में रेल संरक्षा में बेहतरीन कार्य के लिए दिया गया है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में श्री मनोज मीणा (लोको पायलट-गूड्स, हापा), श्री मुकेश कुमार (एरियाट्रेनिंगसेंटर, राजकोट-इंचार्ज), श्री संजय मिश्रा (स्टेशन मास्टर, भाटिया), श्री बिनेश कुमार (स्टेशन मास्टर, भाटिया), श्री गोविंद प्रसाद बैरवा (स्टेशन मास्टर, भास्करपरा), श्री राहुल कुमार पटेल (गेटमेन फाटक स. 69, इंजीनियरिंग), श्री मनीष कुमार मीणा (स्टेशन मास्टर, जामवं थली) और श्री देवेंद्र सिंघ (स्टेशन मास्टर, सिंधावदर)। उपरोक्त रेलकर्मि यों द्वारा कर्मचारियों द्वारा ट्रेक के पास से गाड़ी के पहिया मे स्पर्किंग, समपार फाटक की असामान्य परिस्थिति, रेलपथ मे अचानक सड़क वाहन का आगमन नोटिस करना इत्यादि कार्य किया गया। इन रेलकर्मियों की सतर्कता और सजगता ने संभावित रेल हादसा रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इस अवसर पर राजकोट मंडल के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री आर सी मीणा एवं वरिष्ठ मंडल इलैक्ट्रिक इंजीनियर (कर्षण) श्री मिठालाल मीणा उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे

सीसी एप्रन की तत्काल मरम्मत

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, ई-टेंडर संख्या BCT/24-25/168 दिनांक 13.09.2024 को आमंत्रित करता है। कार्य और स्थान: बांद्रा टर्मिनस: प्लेटफॉर्म नंबर 3 और 5 के सीसी एप्रन की तत्काल मरम्मत। कार्य की अनुमानित लागत: 2,36,30,020.52। ईएमडी: 2,68,200/-। जमा करने की तिथि और समय: 08.10.2024, 15:00 बजे तक। खुलने की तिथि और समय: 08.10.2024 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैन्युअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा। 0543

हमें लाइक करे f facebook.com/westernRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95